करेंट अफेयर्स हरियाणा
(संग्रह)

सितंबर 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

हरियाणा 3

- हरियाणा में उन्नत लिथियम-आयन बैटरी संयंत्र 3
- गुरुग्राम में नौसैनिक अड्डा प्रारंभ 3
- खेल यात्रा पाठ्यपुस्तक 5

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स 6

- उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त 6
- डायमंड लीग 2025 7
- रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025 7
- युद्ध अभ्यास 2025 9
- आदि वाणी 9
- NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस 10
- इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस 11
- भारती पहल 12
- वैश्विक शांति सूचकांक (GPI) 13
- आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय 14
- यूएस ओपन 2025 16
- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025 17
- ब्लड मून 18
- विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस 20
- ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 20
- IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला 21

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- विनोबा भावे जयंती 22
- ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन 24
- विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप 2025 26
- महिला हॉकी एशिया कप 2025 27
- राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन– रबी अभियान 2025 28
- 31वाँ विश्व ओज़ोन दिवस 29
- वैशाली रमेशबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस जीता 30
- स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक 32
- विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 33
- सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स 33
- भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026 35
- मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार 36
- अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025 37
- विश्व खाद्य भारत 2025 38
- विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 39
- छठा नदी उत्सव 40
- भगत सिंह की जयंती 41
- भारत ने एशिया कप जीता 43
- शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर 44

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

हरियाणा

हरियाणा में उन्नत लिथियम-आयन बैटरी संयंत्र

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने **हरियाणा के सोहना** में **TDK कॉर्पोरेशन** के उन्नत प्रौद्योगिकी लिथियम-आयन (ली-आयन) बैटरी विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया।

- **TDK कॉर्पोरेशन** इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में एक वैश्विक अग्रणी कंपनी है, जो 30 से अधिक देशों में 250 से अधिक **विनिर्माण**, **अनुसंधान एवं विकास** और **विक्रय स्थलों** का संचालन करती है।

मुख्य बिंदु

- इस संयंत्र में मोबाइल फोन, लैपटॉप, पहनने योग्य उपकरणों (wearables) और सुनने योग्य उपकरणों जैसे घड़ियों, ईयरबड्स तथा एयरपॉड्स में उपयोग होने वाली **ली-आयन बैटरियों का निर्माण किया जाएगा।**
- इससे **प्रतिवर्ष 20 करोड़ बैटरी पैक का उत्पादन होने की संभावना है, जो भारत की** 50 करोड़ पैक की वार्षिक मांग का लगभग 40% पूरा करेगा।
- यह संयंत्र भारत सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (EMC) योजना के अंतर्गत स्थापित किया गया है।
- इस परियोजना से लगभग **5,000 प्रत्यक्ष रोज़गार सृजित होंगे** तथा श्रमिकों को AT बावल संयंत्र में प्रारंभिक प्रशिक्षण पहले ही दिया जा चुका है।
- **सोहना संयंत्र** भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में वैश्विक केंद्र बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में योगदान देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गुरुग्राम में नौसैनिक अड्डा प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

12 सितंबर, 2025 को भारतीय नौसेना **प्रमुख (CNS) एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी** ने गुरुग्राम में नए **नौसैनिक अड्डे**, INS अरावली का उद्घाटन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **भूमिका: अरावली शृंखला के नाम पर रखे गए इस नए अड्डे का मुख्य कार्य होगा:**
    - **भारतीय नौसेना** के **सूचना एवं संचार केंद्रों** को सहायता प्रदान करना।
    - भारत के **कमान, नियंत्रण, संचार** और मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस (MDA) ढाँचे को सशक्त बनाना।
    - **नौसेना इकाइयों, MDA केंद्रों** और संबद्ध **हितधारकों** के बीच **निर्बाध समन्वय** को बढ़ाना।
- **आदर्श वाक्य:**
    - अड्डा अपने आदर्श वाक्य से संचालित होगा: '**सामुद्रिक सुरक्षायाः सहयोगं**' (**सहयोग के माध्यम से समुद्री सुरक्षा**)।
- **क्रेस्ट का प्रतीकात्मक स्वरूप:** INS अरावली का क्रेस्ट (Crest) इसके आदर्श और मिशन को दर्शाता है:
    - **केंद्रीय पर्वत छवि:** अरावली शृंखला की दृढ़ता का प्रतीक।
    - **उगता सूरज:** सतर्कता, अनुकूलनशीलता और तकनीकी क्षमताओं के उदय का प्रतिनिधित्व करता है।
    - **सामुद्रिक आदर्श:** भारत के सागरीय हितों की रक्षा में सदैव सतर्कता।
    - संपूर्ण क्रेस्ट अड्डे की **दृढ़ता, तकनीक और सहयोगी सुरक्षा** के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **महत्त्व:**
    - **प्रौद्योगिकी** और **सहयोग** के केंद्र के रूप में कार्य करना, महासागरों के विभिन्न **प्लेटफार्मों** तथा **भागीदारों** को जोड़ना।
    - प्रधानमंत्री के 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिये पारस्परिक तथा समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण को **मूर्त रूप देना**।
    - **हिंद महासागर क्षेत्र** में **प्राथमिक सुरक्षा साझेदार** के रूप में भारत की **स्थिति** को सुदृढ़ करना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

खेल यात्रा पाठ्यपुस्तक

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप हरियाणा ने शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता **बढ़ाने के लिये** सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 के शिक्षकों के लिये **खेल यात्रा पाठ्यपुस्तक** शुरू की है ।

मुख्य बिंदु

- **लक्षित समूह:** यह विशेष रूप से हरियाणा के स**रकारी स्कूलों में कक्षा 6 के शिक्षकों के लिये** डिज़ाइन की गई है।
- **मुख्य उद्देश्य:** शिक्षकों को एक संरचित संसाधन उपलब्ध कराकर **शारीरिक शिक्षा को बढ़ाना,** ताकि अनौपचारिक खेलों से आगे बढ़कर पाठ्यक्रम आधारित दृष्टिकोण अपनाया जा सके।
- **मुख्य विषयवस्तु:** पुस्तक **गतिशील कौशल**, **खेल तकनीक** (विशेष रूप से **खो-खो** और **हैंडबॉल**), **योग** तथा **स्वास्थ्य जागरूकता** पर केंद्रित है।
- **क्रियान्वयन रणनीति:** शिक्षक पहले पुस्तक का अध्ययन करेंगे और फिर छात्रों के साथ पाँच संरचित गतिविधियों का संचालन करेंगे, जिससे एक मानकीकृत शिक्षण प्रक्रिया सुनिश्चित होगी।
- **व्यापक उद्देश्य: शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा** देने वाले सहायक वातावरण के निर्माण के माध्यम से **समग्र विकास** को प्रोत्साहित करना, जो **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020** में समग्र शिक्षा **के अनुरूप** है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020

- **परिचय:**
  - **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** ने 34 वर्ष पुरानी NEP (1986) को प्रतिस्थापित किया। इसका उद्देश्य सभी स्तरों पर **शिक्षा की गुणवत्ता, समानता और पहुँच में अंतराल** को कम करना है।
  - डॉ. के. कस्तूरीरंगन समिति की सिफारिशों के आधार पर, यह आधारभूत साक्षरता, **समग्र पाठ्यक्रम, बहुभाषी शिक्षा और व्यावसायिक** तथा **शैक्षणिक** मार्गों के एकीकरण को प्राथमिकता देती है।
- **मुख्य प्रावधान:**
  - **संरचनात्मक सुधार:** 10+2 प्रणाली की जगह 5+3+3+4 प्रणाली अपनाई गई, जो 3–18 वर्ष के बच्चों के लिये उपयुक्त है।
  - **अनुभवात्मक शिक्षा:** इंटर्नशिप, फील्ड विजिट और वास्तविक विश्व परियोजनाओं को बढ़ावा देकर सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहार से जोड़ना।
  - **शिक्षक प्रशिक्षण:** शिक्षकों की उभरती शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये **सतत् व्यावसायिक विकास** पर ध्यान केंद्रित करना।
  - **मुख्य पहलें:** पीएम श्री स्कूल, निपुण भारत, परख, निष्ठा आदि।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के पूर्व गवर्नर **उर्जित पटेल** को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में **कार्यकारी निदेशक (ED)** के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।

- वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो **बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान के साथ चार देशों** के निर्वाचन क्षेत्र का अंग है।
- IMF के कार्यकारी बोर्ड में 25 निदेशक होते हैं, जिनका चुनाव सदस्य देशों या देशों के समूहों द्वारा किया जाता है।

मुख्य बिंदु

- **मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति** ने कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिये अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, उनकी नियुक्ति को मंज़ूरी दी है।
- वह पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार **के. वी. सुब्रमण्यन** का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल अनियमितता के आरोपों के कारण छह महीने कम कर दिया गया था।
- **भूमिका:** IMF में कार्यकारी निदेशक के रूप में, वह निम्नलिखित कार्य करेंगे:
  - कार्यकारी बोर्ड का हिस्सा बनना, जो **वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक नीतियों, राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों** तथा कोष की क्षमता-विकास पहलों पर विचार-विमर्श करता है तथा उन पर प्रभाव डालता है।
  - अस्थायी भुगतान-संतुलन समस्याओं के समाधान हेतु सदस्य देशों की वित्तीय सहायता पैकेजों की स्वीकृति में सहयोग प्रदान करना।
  - सदस्य देशों के आर्थिक सुधारों और नीतिगत पहलों को दिये जाने वाले IMF के सहयोग की निगरानी में केंद्रीय भूमिका निभाना।

उर्जित पटेल:

- **परिचय**
  - उर्जित पटेल वर्ष 2016 से 2018 तक **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** के 24वें गवर्नर रहे। उन्होंने रघुराम राजन के उत्तराधिकारी के रूप में यह दायित्व संभाला। इससे पूर्व वे उप-गवर्नर के पद पर कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने मौद्रिक नीति, आर्थिक अनुसंधान और जमा बीमा जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की देखरेख की थी।
  - RBI से त्याग-पत्र देने के बाद उर्जित पटेल ने बीजिंग स्थित एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB) में **निवेश परिचालन के उपाध्यक्ष** के रूप में कार्य किया। पारिवारिक स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने जनवरी 2024 में इस पद से त्यागपत्र दे दिया।
  - जून 2020 से वे **राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (NIPFP)** के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।
- **RBI में सुधार:**
  - उनके नेतृत्व में RBI ने मौद्रिक नीति में महत्त्वपूर्ण सुधार पेश किये, जिनमें ब्याज दरों पर निर्णय लेने के लिये अक्तूबर 2016 में गठित मौद्रिक नीति समिति (MPC) भी शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण:** RBI ने जनवरी 2014 में अनुशंसित परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण ढाँचे को अपनाया, जिसमें पटेल ने डिप्टी गवर्नर के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डायमंड लीग 2025

चर्चा में क्यों ?

नीरज चोपड़ा स्विट्ज़रलैंड के ज़्यूरिख में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में उपविजेता रहे। जर्मनी के **जूलियन वेबर** ने 91.57 मीटर का थ्रो फेंककर अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

मुख्य बिंदु:

- **नीरज चोपड़ा** का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फाइनल राउंड में 85.01 मीटर रहा, जिससे वह **केशोर्न वालकॉट** (84.95 मीटर) को पीछे छोड़कर तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुँच गए।
- यूरोपीय चैंपियन **जूलियन वेबर** ने दो बार 90 मीटर से अधिक का थ्रो करते हुए प्रतियोगिता पर प्रभुत्व स्थापित किया और विश्व चैंपियनशिप के लिये शीर्ष दावेदार के रूप में अपनी स्थिति सुदृढ़ की।

वांडा डायमंड लीग

- **शृंखला का अवलोकन:** वर्ष 2010 में आरम्भ की गई वांडा डायमंड लीग एक **विशिष्ट वैश्विक एथलेटिक्स प्रतियोगिता** है, जिसमें चार महाद्वीपों और 13 देशों में आयोजित 15 प्रतिष्ठित स्पर्द्धाएँ शामिल हैं। यह एथलीटों को प्रमुख **चैंपियनशिप** के अतिरिक्त खेल की **सर्वोच्च उपाधि** के लिये प्रतिस्पर्द्धा करने का अवसर प्रदान करती है।
  - एथलीट अप्रैल से सितंबर तक आयोजित 14 शृंखला प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और अपने प्रदर्शन के आधार पर अंक अर्जित करते हैं। प्रत्येक प्रतियोगिता के शीर्ष एथलीट, वाइल्डकार्ड प्रविष्टियों के साथ, दो दिवसीय वांडा डायमंड लीग फाइनल के लिये क्वालीफाई करते हैं।
- **वांडा डायमंड लीग फाइनल:** ज़्यूरिख में आयोजित यह दो दिवसीय आयोजन **विजेता-सब-कुछ ले जाए** प्रारूप पर आधारित है। प्रत्येक स्पर्द्धा के विजेताओं को डायमंड ट्रॉफी तथा (निर्धारित शर्तों के अनुसार) वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वाइल्डकार्ड प्रविष्टि प्रदान की जाती है।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत के ग्रामीण और शैक्षिक रूप से वंचित क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा हेतु सामुदायिक तथा सरकारी संसाधन जुटाने के लिये समर्पित भारतीय गैर-लाभकारी संगठन **'फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली'** को वर्ष 2025 का रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया है।

- अन्य पुरस्कार विजेताओं में **मालदीव की शाहिना अली** को उनके पर्यावरण संबंधी कार्य के लिये तथा **फिलीपींस के फ्लावियानो एंटोनियो एल. विलानुएवा** को गरीबों और हाशिये पर पड़े लोगों के उत्थान के प्रयासों के लिये सम्मानित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **एजुकेट गर्ल्स के बारे में:**
  - इसे फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली के नाम से भी जाना जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 2007 में **सफीना हुसैन** द्वारा की गई थी।
    - यह एशिया में **नोबेल पुरस्कार के समकक्ष** इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संगठन है।
- **उद्देश्य:**
  - इस संगठन की **शुरुआत राजस्थान** से हुई, जिसका उद्देश्य स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को कक्षाओं में नामांकन कर **महिला निरक्षरता** को दूर करना तथा उच्च शिक्षा और रोज़गार तक उनकी सहायता करना है।
- **मिशन:**
  - फाउंडेशन का मुख्य मिशन **"वन गर्ल एट अ टाइम"** है, जो ज़मीनी स्तर के प्रयासों, सामुदायिक प्रोत्साहन तथा साझेदारी पर आधारित है।
  - इसका उद्देश्य गरीबी, घरेलू कार्य जैसे अवरोधों को दूर कर समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।
- **पहल:**
  - वर्ष 2015 में एजुकेट गर्ल्स ने शिक्षा क्षेत्र में विश्व का पहला **विकास प्रभाव बॉण्ड (DIB)** शुरू किया, जिसमें वित्तीय सहायता को मापने योग्य परिणामों से जोड़ा गया। इस पहल से 30,000 गाँवों की 20 लाख से अधिक बालिकाएँ लाभान्वित हुईं।
  - संगठन ने 15-29 वर्ष की युवा महिलाओं के लिये एक ओपन स्कूलिंग कार्यक्रम **'प्रगति'** की भी शुरुआत की, जिसमें प्रतिभागियों की संख्या 300 से बढ़कर 31,500 हो गई। इस पहल ने उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

- वर्ष 1958 में स्थापित **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** उन व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है जिन्होंने जटिल सामाजिक मुद्दों को संबोधित करते हुए एशिया तथा विश्व स्तर पर मानव विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।
  - पुरस्कार विजेताओं का चयन प्रतिवर्ष **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फाउंडेशन (RMAF)** द्वारा किया जाता है और उन्हें पदक, प्रमाण-पत्र तथा नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- 67वाँ **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार समारोह** 7 नवंबर, 2025 को मनीला के **मेट्रोपॉलिटन थिएटर** में आयोजित किया जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - यह पुरस्कार जाति, लिंग या धर्म से परे नि:स्वार्थ सेवा और भावना की महानता को मान्यता देने के लिये बनाया गया था तथा एशिया में परिवर्तनकारी नेतृत्व तथा साहस का उत्सव मनाता है।
- **श्रेणियाँ:**
  - वर्ष 1958 से 2008 तक यह पुरस्कार छह श्रेणियों में प्रदान किया गया:
    - सरकारी सेवा
    - सार्वजनिक सेवा
    - सामुदायिक नेतृत्व
    - पत्रकारिता, साहित्य और रचनात्मक संचार कला
    - शांति और अंतर्राष्ट्रीय समझ
    - उभरता नेतृत्व (40 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिये)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वर्ष 2009 के बाद से यह पुरस्कार किसी निश्चित श्रेणी में नहीं दिया जाता, केवल **इमर्जेंट लीडरशिप** को छोड़कर, जो *फोर्ड फाउंडेशन* के सहयोग से जारी है।

युद्ध अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना का एक दल **अमेरिका के अलास्का स्थित फोर्ट वेनराइट** के लिये प्रस्थान कर चुका है, जहाँ 1 से 14 सितंबर, 2025 तक भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास **'युद्ध अभ्यास'** का 21वाँ संस्करण आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **भाग लेने वाली सेनाएँ:**
  - भारतीय दल में **मद्रास रेजिमेंट** की एक बटालियन के कार्मिक शामिल हैं, जो भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंटों में से एक है।
  - अमेरिकी सेना का प्रतिनिधित्व 11वीं एयरबोर्न डिवीज़न के अंतर्गत *आर्कटिक वोल्व्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम* की पहली बटालियन, 5वीं इन्फैंट्री रेजीमेंट **"बॉबकैट्स"** के सैनिकों द्वारा किया जाएगा।
- **गतिविधियाँ:**
  - अभ्यास के दौरान दोनों देशों की सेनाएँ विविध सामरिक कौशलों का अभ्यास करेंगी, जिनमें हेलिबोर्न ऑपरेशन, निगरानी संसाधनों एवं **मानव रहित हवाई प्रणालियों का प्रयोग,** रॉकक्राफ्ट, पर्वतीय युद्धकला, हताहतों की निकासी, युद्धक्षेत्र चिकित्सा सहायता तथा तोपखाने, **वायुसेना** एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का समन्वित उपयोग शामिल है।
- **अभ्यास का समापन:**
  - यह अभ्यास संयुक्त रूप से नियोजित एवं क्रियान्वित सामरिक अभियानों के साथ संपन्न होगा, जिनमें **लाइव-फायर ड्रिल्स** से लेकर उच्च पर्वतीय युद्ध परिदृश्यों तक की अभिव्यक्ति होगी।
- **उद्देश्य:**
  - 'युद्ध अभ्यास 2025' का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना** अभियानों के लिये परिचालन तत्परता को सुदृढ़ करना है, जिससे शांति अभियानों के प्रभावी प्रबंधन हेतु क्षमता-निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।
  - इसके अतिरिक्त, यह अभ्यास बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने हेतु सेनाओं को तैयार करेगा तथा एकीकृत युद्ध और संयुक्त परिचालन रणनीतियों के महत्त्व पर ज़ोर देगा।

आदि वाणी

चर्चा में क्यों?

जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने **जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV)** समारोह के हिस्से के रूप में जनजातीय भाषाओं के लिये भारत के पहले **AI-संचालित** अनुवाद मंच **'आदि वाणी'** का बीटा संस्करण लॉन्च किया है।

मुख्य बिंदु

- **आदि वाणी के बारे में**
  - आदि वाणी को **IIT दिल्ली** के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय संघ द्वारा विकसित किया गया है, जिसमें BITS पिलानी, IIIT हैदराबाद, IIIT नवा रायपुर तथा झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मेघालय के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों का सहयोग शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- बीटा संस्करण वर्तमान में **संथाली, भीली, मुंडारी और गोंडी** भाषाओं का समर्थन करता है, जबकि **कुई और गारो** जैसी भाषाओं पर विकास कार्य प्रगति पर है।

- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - हिंदी, अंग्रेजी और जनजातीय भाषाओं के बीच वास्तविक समय में पाठ एवं वाक् अनुवाद की सुविधा।
  - छात्रों और नव-शिक्षार्थियों के लिये **इंटरैक्टिव भाषा शिक्षण मॉड्यूल**।
  - लोककथाओं एवं मौखिक परंपराओं का डिजिटलीकरण कर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण।
  - जनजातीय भाषाओं में सरकारी परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी संदेश, उपशीर्षकों सहित उपलब्ध कराना।

जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV)

- यह वर्ष भगवान बिरसा मुंडा (धरती आबा) की 150वीं जयंती का स्मरण करता है तथा जनजातीय नायकों की अद्वितीय विरासत को सम्मानित करता है।
- इसे **15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025** तक जनजातीय गौरव दिवस (2021 में घोषित) के एक साल के विस्तार के रूप में मनाया जा रहा है।
- यह पहल धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान तथा प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (PM JAN-MAN) जैसे प्रमुख कार्यक्रमों से जुड़ी हुई है।

उद्देश्य:

- भारत की **सांस्कृतिक अस्मिता** और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान को रेखांकित करना।
- **संपूर्ण शासन दृष्टिकोण** के माध्यम से जनजातीय कल्याण को प्रोत्साहित करना।
- **जनजातीय विकास संबंधी पहलों में** जनभागीदारी (लोगों की सक्रिय सहभागिता) को बढ़ावा देना।
- जनजातीय नायकों के प्रति जागरूकता और राष्ट्र-निर्माण में उनकी भूमिका की पहचान को सुदृढ़ करना।

NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने NCERT के 65वें स्थापना दिवस पर अनेक पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने संस्थान से **शिक्षा के प्रति सुधारोन्मुख एवं प्रौद्योगिकी-आधारित दृष्टिकोण** अपनाने का आह्वान किया।

मुख्य बिंदु

शुभारंभ की गई प्रमुख पहलें:

- **पीएम ई-विद्या मोबाइल एप्लिकेशन:**
  - यह पीएम ई-विद्या के अंतर्गत सभी प्रमुख डिजिटल एवं प्रसारण पहलों तक पहुँच हेतु एक केंद्रीकृत पोर्टल है, जिसे BISAG-N के सहयोग से विकसित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **दीक्षा 2.0** :
  - इसमें संरचित पाठ, अनुकूली मूल्यांकन, प्रदर्शन फीडबैक, चर्चा मंच और **एआई** उपकरण जैसे रीड अलाउड, क्लोज्ड कैप्शन तथा 12 भाषाओं में पाठ फाइलों का अनुवाद शामिल है।
- **प्रशस्त 2.0:**
  - यह एक **पूर्व-मूल्यांकन समग्र स्क्रीनिंग टूल है** जो दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान के लिये मोबाइल और वेब प्लेटफॉर्म को उन्नत करता है।
- **किताब एक पढ़े अनेक** :
  - **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020** के अनुरूप यह पहल **यूनिवर्सल डिज़ाइन ऑफ़ लर्निंग (UDL) आधारित** सुलभ डिजिटल एवं मुद्रित पाठ्यपुस्तकों के निर्माण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य **समावेशी कक्षाओं की स्थापना करना** है, जिससे विशेषकर दिव्यांगजन छात्रों एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के बच्चों को लाभ मिल सके।
- **उत्कल जननींकर सुजोग्य संतान** :
  - **यह पुस्तक ओडिशा के 100 महान व्यक्तित्वों** के जीवन और योगदान पर आधारित है, जिन्होंने आधुनिक ओडिशा के विकास में योगदान दिया तथा **राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया।**

NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद)

- **स्थापना:** 1 सितंबर 1961
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **उद्देश्य: भारत सरकार के अधीन** एक **स्वायत्त संगठन के रूप में** , यह विद्यालयी शिक्षा से संबंधित शैक्षणिक मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता तथा सलाह देता है।
- **कार्य:** पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण-अधिगम सामग्री और **नवीन शैक्षणिक उपकरण विकसित करना,** साथ ही अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी संचालित करना।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों ?

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) ने 1 सितंबर 2025 को अपना **8वाँ स्थापना दिवस** मनाया और समावेशी तथा सुलभ **बैंकिंग सेवाएँ** अंतिम छोर तक पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुख्य बिंदु

- **IPPB के बारे में:**
  - इसकी स्थापना वर्ष 2018 में **डाक विभाग** के अधीन एक सरकारी पहल के रूप में की गई थी।
  - इसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करना और डिजिटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ाना है।
- **क्षेत्र**
  - IPPB के पास 1.64 लाख से अधिक **डाकघर तथा 1.90 लाख डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक (GDS) कार्यरत हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह 12 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करता है, अरबों डिजिटल लेन-देन संपन्न करता है तथा ग्रामीण, अर्द्ध-शहरी और दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर बैंकिंग उपलब्ध कराता है।

- **उद्देश्य**
  - प्रत्येक भारतीय को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह प्रशस्त करना।
  - **अंतिम छोर तक बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाना** ताकि ग्रामीण एवं वंचित आबादी भी वित्तीय रूप से समावेशित हो सके।
- **सेवाएँ:**
  - IPPB ने अपनी सेवाओं का विस्तार प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) वितरण, पेंशन भुगतान, ऋण सुविधा, **बीमा और निवेश** उत्पादों तक किया है, जो विभिन्न संस्थानों के सहयोग से उपलब्ध कराए जाते हैं।
  - नई सेवाओं में डिजी स्मार्ट डिजिटल सेविंग्स अकाउंट, प्रीमियम आरोग्य सेविंग्स अकाउंट, आधार-आधारित चेहरा प्रमाणीकरण, रूपे वर्चुअल डेबिट कार्ड, AePS सक्षम भुगतान, अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण और भारत बिल-पे एकीकरण शामिल हैं, जिन्होंने ग्राहकों की सुविधा को तथा बढ़ाया है।

पेमेंट्स बैंक

- **परिचय:**
  - पेमेंट्स बैंक एक विभेदित बैंक (Differentiated Bank) है, जो सीमित बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है।
  - डॉ. नचिकेत मोर समिति ने निम्न-आय वर्गों और छोटे व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पेमेंट्स बैंक की स्थापना की सिफारिश की थी।
- **विशेषताएँ:**
  - यह केवल **बचत और चालू खातों में मांग जमा** स्वीकार कर सकता है, **सावधि जमा नहीं।**
  - प्रत्येक ग्राहक पेमेंट्स बैंक खाते में अधिकतम 2,00,000 रुपए की शेष राशि रख सकता है।
    - पेमेंट्स बैंक अनिवासी भारतीय (Non-Resident Indian-NRI) जमा स्वीकार नहीं कर सकते।
  - पेमेंट्स बैंक **गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवा गतिविधियाँ शुरू करने के लिये सहायक कंपनियाँ** स्थापित नहीं कर सकते हैं।

भारती पहल

चर्चा में क्यों ?

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने **भारती (BHARATI)** पहल शुरू की है, जो **कृषि-तकनीक और कृषि-खाद्य** स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य और दृष्टिकोण:**
  - **भारती (BHARATI)**, जो भारत के कृषि प्रौद्योगिकी, लचीलापन, उन्नति और निर्यात सक्षमता के लिये **इनक्यूबेशन केंद्र** का संक्षिप्त रूप है, का उद्देश्य **कृषि-खाद्य** तथा **कृषि-तकनीक** क्षेत्रों के 100 स्टार्टअप्स को सशक्त बनाना है।
  - इस पहल का उद्देश्य **नवाचार में तेज़ी लाना** और नए निर्यात अवसर सृजित करना है, जिससे **वर्ष 2030** तक अनुसूचित उत्पादों के लिये **कृषि-खाद्य निर्यात** को 50 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने के भारत के लक्ष्य का समर्थन मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **प्रथम पायलट समूह:**
  - पहला समूह, जो **सितंबर 2025** में शुरू होगा, 100 स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनमें उच्च मूल्य वाले **कृषि-खाद्य उत्पादकों** से लेकर **प्रौद्योगिकी-संचालित सेवा प्रदाता** और **नवप्रवर्तक** शामिल होंगे।
  - **एआई-आधारित गुणवत्ता नियंत्रण**, **ब्लॉकचेन ट्रेसेबिलिटी**, IoT-सक्षम कोल्ड चेन और **एग्री-फिनटेक** जैसी उन्नत तकनीकों पर काम करने वाले स्टार्टअप्स शामिल किये जाएंगे।
- **नवाचार के लिये प्रमुख क्षेत्र:**
  - **भारती** पहल उच्च मूल्य वाले कृषि-खाद्य श्रेणियों जैसे GI-टैग उत्पाद, जैविक खाद्य पदार्थ, **सुपरफूड**, **नवीन प्रसंस्कृत कृषि-खाद्य पदार्थ**, **पशुधन उत्पाद** और **आयुष उत्पादों** को लक्षित करेगी।
    - यह पहल **पैकेजिंग**, **स्थिरता** और **समुद्री खाद्य प्रोटोकॉल** को संबोधित करने वाले अभिनव समाधानों को भी प्रोत्साहित करेगी।
- **निर्यात संबंधी चुनौतियों का समाधान:**
  - यह पहल **उत्पाद विकास**, **गुणवत्ता आश्वासन**, शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों, **अपव्यय** और **रसद** से संबंधित प्रमुख निर्यात चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करेगी।
    - सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर यह **वैश्विक कृषि-खाद्य बाज़ार** में भारत की प्रतिस्पर्द्धात्मकता बढ़ाने के लिये **लागत प्रभावी समाधान** प्रदान करेगी।
- **सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और साझेदारी:**
  - यह पहल **राज्य कृषि बोर्डों**, **कृषि विश्वविद्यालयों**, **IIT** और **NIT** जैसे प्रमुख संस्थानों तथा उद्योग निकायों के साथ मिलकर स्टार्टअप्स को आकर्षित करने एवं समर्थन देने के लिये काम करेगी।
  - पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिये **मौजूदा त्वरणक** (Existing **accelerators**) का भी लाभ उठाया जाएगा।
- **स्टार्टअप्स को समर्थन:**
  - एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान **हितधारकों** को शामिल करेगा और **समाधान-उन्मुख स्टार्टअप्स** को आकर्षित करेगा।
  - स्टार्टअप्स को तीन महीने के **त्वरण कार्यक्रम** से गुजरना होगा, जिसमें **उत्पाद विकास**, **निर्यात तत्परता**, **विनियामक अनुपालन** और **बाज़ार पहुँच** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **सरकारी पहलों के साथ संरेखण:**
  - यह पहल भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, डिजिटल इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया पहलों के साथ संरेखित है।

APEDA की स्थापना APEDA अधिनियम, 1985 के तहत की गई थी और इसे **अल्कोहलिक** तथा **गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थ**, **मांस एवं मांस उत्पाद**, **पुष्पकृषि उत्पाद** आदि जैसे उत्पादों के **निर्यात संवर्द्धन व विकास** की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

वैश्विक शांति सूचकांक (GPI)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी वैश्विक शांति सूचकांक **2025 में भारत को 115वाँ स्थान मिला है, जबकि आइसलैंड** सबसे शांतिपूर्ण देश के रूप में **शीर्ष स्थान पर** बना हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **वैश्विक शांति सूचकांक के बारे में:**
  - इसे प्रतिवर्ष *इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस* द्वारा जारी किया जाता है। इसमें 23 संकेतकों के आधार पर देशों को रैंक प्रदान की जाती है, जिनमें सैन्यीकरण, बाह्य संघर्ष, हत्या और आतंकवाद जैसे संकेतक शामिल हैं।
  - वैश्विक शांति सूचकांक 2025 में 163 देशों का विश्लेषण किया गया, जो विश्व की 99.7% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।
  - इस सूचकांक के अनुसार, **राज्य-आधारित संघर्षों की संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है** तथा वर्ष 2025 में नए संघर्ष भी उभरे हैं
- **रैंकिंग 2025:**
  - आइसलैंड, आयरलैंड तथा न्यूज़ीलैंड को विश्व के सर्वाधिक शांतिपूर्ण देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। **आइसलैंड वर्ष 2008 से शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।**
  - रूस, यूक्रेन, सूडान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य तथा यमन को सबसे कम शांतिपूर्ण देशों में शामिल किया गया है।
  - **शीर्ष 10 में सिंगापुर एकमात्र एशियाई देश** है, जो अत्यधिक सैन्य व्यय के बावजूद उच्च सुरक्षा स्तर बनाए हुए है।
  - भारत को 115वाँ स्थान प्राप्त हुआ है (वर्ष 2024 में 116वाँ), जबकि पाकिस्तान 144वें स्थान पर है, जो दोनों देशों के बीच सुरक्षा स्तर में महत्त्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है।
- **विश्व के 10 सर्वाधिक शांतिपूर्ण देश**

रैंक	देश	रैंक	देश
1	आइसलैंड	2	आयरलैंड
3	न्यूज़ीलैंड	4	ऑस्ट्रिया
5	स्विट्ज़रलैंड	6	सिंगापुर
7	पुर्तगाल	8	डेनमार्क
9	स्लोवेनिया	10	फिनलैंड

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय

चर्चा में क्यों?

भारत में आधुनिक रसायन विज्ञान के अग्रदूत **आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय** की **164वीं जयंती** पर विभिन्न स्मारक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के बारे में:**

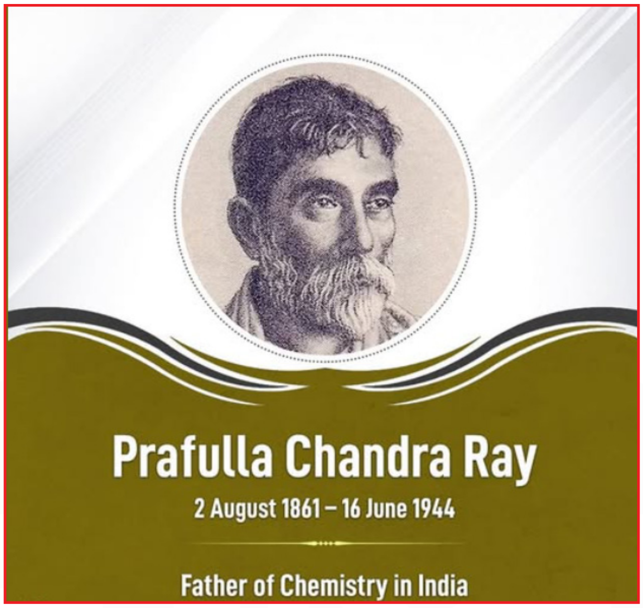

  - **प्रफुल्ल चंद्र राय (1861-1944)** एक प्रसिद्ध भारतीय **वैज्ञानिक और शिक्षक** थे तथा "आधुनिक" भारतीय रासायनिक शोधकर्त्ताओं में से एक थे। **इन्हें "भारतीय रसायन विज्ञान के जनक" के रूप** में जाना जाता है।
  - **मूल रूप से एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में प्रशिक्षित,** उन्होंने कई वर्षों तक कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और फिर कलकत्ता विश्वविद्यालय में काम किया।
- **कार्य:**
  - उन्होंने वर्ष 1895 में स्थिर यौगिक **मर्क्यूरस नाइट्राइट** (Mercurous Nitrite) की खोज की।
  - एक कट्टर राष्ट्रवादी राय बंगाली उद्यम को आगे बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध थे और उन्होंने **वर्ष 1901 में बंगाल केमिकल एंड फार्मास्युटिकल वर्क्स** की स्थापना की।
  - राय वर्ष **1905 के स्वदेशी आंदोलन** के सक्रिय समर्थक थे और वे विदेशी वस्तुओं के प्रयोग को भारत के विरुद्ध राजद्रोह मानते थे।
  - वह एक सच्चे तर्कवादी थे और पूरी तरह से जाति व्यवस्था व अन्य तर्कहीन सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ थे। उन्होंने अपनी मृत्यु तक समाज सुधार के इस कार्य को जारी रखा।
- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - ब्रिटिश सरकार द्वारा सम्मानित, उन्हें **भारतीय साम्राज्य का साथी** (Companion of the Indian Empire- CIE) की तथा उसके बाद वर्ष 1919 में नाइटहुड की उपाधि दी गई।
  - **वर्ष 1920 में उन्हें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया।**
  - **2 अगस्त, 1961** को उनकी जयंती मनाने के लिये **भारतीय डाक** द्वारा उन पर एक डाक टिकट जारी किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

यूएस ओपन 2025

चर्चा में क्यों ?

18 अगस्त से 7 सितंबर, 2025 तक **न्यूयॉर्क** के **USTA बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर** में आयोजित **यूएस ओपन 2025**, एकल और युगल श्रेणियों में महत्त्वपूर्ण जीत के साथ संपन्न हुआ।

इस टूर्नामेंट में प्रत्येक एकल विजेता के लिये **5 मिलियन डॉलर** की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि रखी गई थी, जो पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में समान थी।

मुख्य बिंदु

- **पुरुष एकल विजेता:** कार्लोस अल्काराज़ (स्पेन) ने जैनिक सिनर (इटली) को हराकर अपना दूसरा **अमेरिकी ओपन** और कुल मिलाकर छठा **ग्रैंड स्लैम** खिताब अर्जित किया।
- **महिला एकल विजेता:** आर्यना सबालेंका (बेलारूस) ने अमांडा अनिसिमोवा (अमेरिका) को हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और **WTA रैंकिंग** में शीर्ष पर अपनी स्थिति सुदृढ़ की।
- **पुरुष युगल विजेता:** मार्सेल ग्रैनोलर्स (स्पेन) और होरासियो ज़ेबालोस (अर्जेंटीना) ने फाइनल में जो सैलिसबरी और नील स्कूप्स्की (यूनाइटेड किंगडम) को हराकर खिताब जीता।
- **महिला युगल विजेता:** गैब्रिएला डाब्रोव्स्की (कनाडा) और एरिन रूटलिफ़ (न्यूज़ीलैंड) ने कैटरीना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य) तथा टेलर टाउनसेंड (USA) को हराया।
- **मिश्रित युगल विजेता:** सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी (इटली) ने इगा स्वीटेक (पोलैंड) तथा कैस्पर रूड (नॉर्वे) को हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

ग्रैंड स्लैम

- इसका अर्थ है कि एक ही कैलेंडर वर्ष में सभी चार प्रमुख टेनिस चैंपियनशिप जीतना: **ऑस्ट्रेलिया, फ्राँस, ब्रिटेन (विंबलडन) और अमेरिका।**
- यह उपलब्धि अब तक **5 अलग-अलग खिलाड़ियों द्वारा 6 बार** हासिल की गई है।
- **डॉन बज** टेनिस में **ग्रैंड स्लैम** हासिल करने वाले प्रथम खिलाड़ी थे, जिन्होंने वर्ष 1938 में सभी चार प्रमुख चैंपियनशिप जीती थीं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

8 सितंबर 2025 को, विश्व में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया, जिसमें **मानव प्रगति और परिवर्तन के सशक्त साधन** के रूप में पढ़ने तथा लिखने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

- **उत्पत्ति:**
  - अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की उत्पत्ति वर्ष **1965 में तेहरान (ईरान) में आयोजित 'शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन'** से मानी जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य निरक्षरता का उन्मूलन था।
  - इसी सम्मेलन से एक ऐसे दिवस की परिकल्पना की गई जो वैश्विक स्तर पर साक्षरता को बढ़ावा देने के लिये समर्पित हो।
  - यूनेस्को ने वर्ष **1966 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की घोषणा** की तथा इसे पहली बार **8 सितंबर** 1967 को मनाया गया। तब से यह प्रतिवर्ष मनाया जाता है, ताकि साक्षरता की परिवर्तनकारी क्षमता को वैश्विक स्तर पर रेखांकित किया जा सके।
- **विषय 2025: "डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना।"**
- **डिजिटल साक्षरता**
  - डिजिटल साक्षरता का आशय **ऑनलाइन सामग्री तक पहुँचने, उसका मूल्यांकन करने, सृजन एवं संप्रेषण करने की क्षमता** से है।
  - इसमें **आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking) विकसित करना, विश्वसनीय सूचना की पहचान करना तथा जटिल डिजिटल वातावरण में सुरक्षित रूप से मार्गदर्शन** करना शामिल है, जिससे यह आज एक आवश्यक कौशल बन गया है।
- **साक्षरता**
  - राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) के अनुसार, साक्षरता का अर्थ किसी भी भाषा में साधारण संदेश को पढ़ने, लिखने और समझने की क्षमता से है।
  - "**सार्वभौमिक**" शब्द का तात्पर्य सामान्यत: पूर्ण या लगभग पूर्ण कवरेज से है, जो आमतौर पर 100% के निकट होता है।
  - यूनेस्को साक्षरता को केवल पढ़ने, लिखने और गिनने की क्षमता तक सीमित नहीं मानता, बल्कि इसे एक निरंतर विकसित होने वाला कौशल मानता है, जिसमें **पहचानना, समझना** तथा **संप्रेषण करना** शामिल है।
    - आधुनिक संदर्भ में यह डिजिटल, मीडिया तथा रोज़गार-विशेष कौशलों तक विस्तारित हो चुका है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **साक्षरता बढ़ाने हेतु सरकारी रणनीतियाँ:**
  - उल्लास ((समाज में सभी के लिये आजीवन शिक्षा को समझना)
  - राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020
  - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम
  - प्रौद्योगिकी संवर्द्धित अधिगम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPTEL)
  - **सर्व शिक्षा अभियान प्रज्ञाता**
  - राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (NLM)

ब्लड मून

चर्चा में क्यों?

8 सितंबर 2025 को **एशिया, ऑस्ट्रेलिया तथा अफ्रीका** के कुछ क्षेत्रों में ***ब्लड मून*** (पूर्ण चंद्र ग्रहण) देखा गया, जिसमें पृथ्वी की छाया ने चंद्रमा को गहरे लाल रंग में परिवर्तित कर दिया।

- यह मार्च 2025 के बाद वर्ष का दूसरा पूर्ण चंद्र ग्रहण था, जो 82 मिनट की पूर्णता के साथ पाँच घंटे से अधिक समय तक चला।
- सूर्य ग्रहण के विपरीत, चंद्र ग्रहण को नंगी आँखों से देखना सुरक्षित है।

मुख्य बिंदु

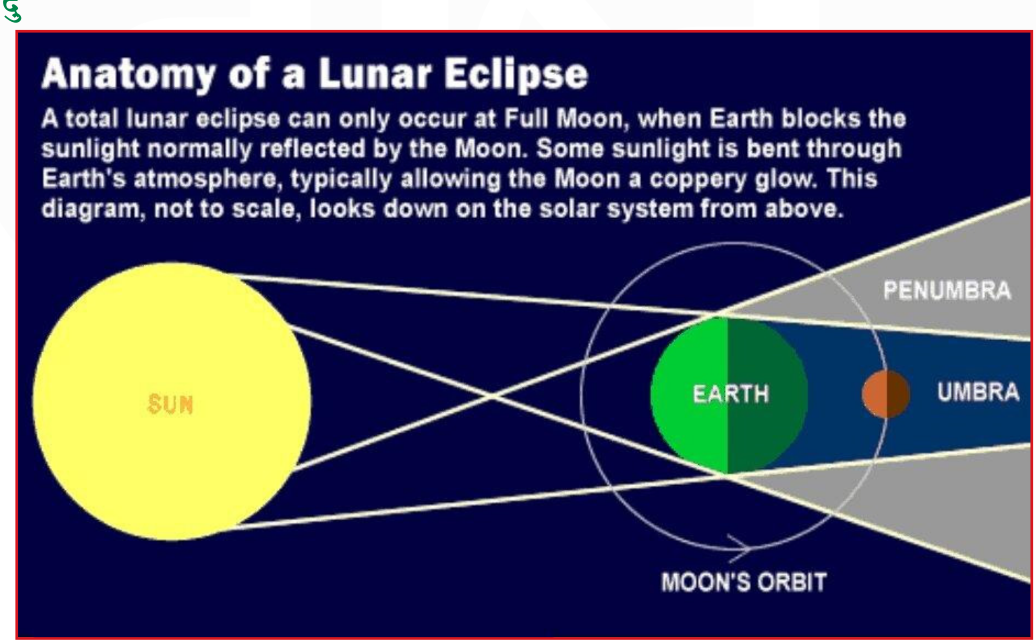

- **चंद्र ग्रहण:** चंद्र ग्रहण तब घटित होता है जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीधी रेखा में आ जाते हैं तथा पृथ्वी बीच में स्थित होती है। इससे सूर्य का प्रकाश सीधे चंद्रमा तक नहीं पहुँच पाता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पूर्ण चंद्र ग्रहण:** जब चंद्रमा पृथ्वी की आंतरिक और सबसे गहन छाया (*Umbra*) से होकर गुजरता है, तो वह गहरे धुंधले अथवा लाल रंग का प्रतीत होता है।
- **आंशिक ग्रहण:** जब चंद्रमा का केवल कुछ भाग **प्रतिछाया** से होकर गुजरता है।
- **अर्द्धछाया ग्रहण:** जब चंद्रमा केवल पृथ्वी की **बाहरी छाया (पेनम्ब्रा)** में प्रवेश करता है। इसमें प्रकाश का मंद पड़ना बहुत सूक्ष्म होता है और प्राय: स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता।

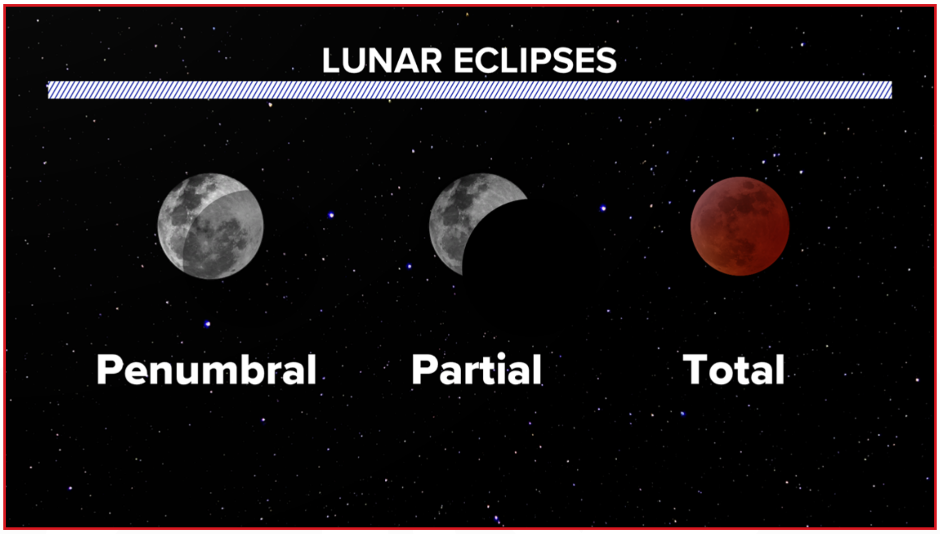

- **"ब्लड मून" प्रभाव:**
  - ब्लड मून प्रभाव इसलिये होता है क्योंकि पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य के प्रकाश को चंद्रमा तक पहुँचने से पहले ही अवरुद्ध कर देता है। जब प्रकाश वायुमंडल से होकर गुजरता है, तो
    - नीला प्रकाश सरलता से विसरित जाता है (इसी कारण आकाश नीला दिखाई देता है)।
    - लाल प्रकाश पृथ्वी के चारों ओर मुड़कर चंद्रमा तक पहुँचता है, जिससे पूर्ण ग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल अथवा ताँबे के रंग का हो जाता है।
      - **चमकदार लाल चंद्रमा शुद्ध एवं कम प्रदूषित वायु का सूचक है।**
      - गहरा लाल चंद्रमा वायु में अधिक धूल, राख अथवा प्रदूषण की उपस्थिति को दर्शाता है।
- **वैज्ञानिक संबंध**
  - **ब्लड मून** की घटना के पीछे वही प्रक्रिया कार्य करती है, जो आकाश तथा सूर्यास्त को रंग प्रदान करती है: ***रेले प्रकीर्णन*** *(Rayleigh Scattering)*, जिसकी व्याख्या भौतिक विज्ञानी *जॉन विलियम स्ट्रट, तृतीय बैरन रेले* ने की थी।
  - **दिवाकालीन आकाश:** कम तरंग दैर्ध्य वाली नीली रोशनी सभी दिशाओं में प्रकीर्णित हो जाती है, जिसके कारण आकाश नीला दिखाई देता है।
  - **सूर्योदय और सूर्यास्त:** इस समय सूर्य का प्रकाश वायुमंडल की मोटी परतों से होकर गुजरता है, जिससे नीला प्रकाश **प्रकीर्णित** होकर नष्ट हो जाता है। परिणामस्वरूप लंबी तरंग दैर्ध्य वाला प्रकाश (लाल, नारंगी और पीला) आकाश को रंग प्रदान करता है।
    - **चंद्र ग्रहण के समय,** चंद्रमा पृथ्वी के वायुमंडल से होकर गुज़रती सारी सूर्यास्त की किरणों में घिरा प्रतीत होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार के **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय** के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (DEPwD) प्रत्येक वर्ष **7 सितंबर को** ***विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस*** मनाता है।

मुख्य बिंदु

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2024 से प्रत्येक **7 सितंबर को विश्व ड्युशेन जागरूकता दिवस** के रूप में नामित किया।
- इस दिवस का उद्देश्य प्रभावित व्यक्तियों एवं परिवारों के प्रति वैश्विक **एकजुटता, सहानुभूति और जागरूकता** को बढ़ावा देना है।
- **थीम:** वर्ष 2025 की थीम ***"परिवार: देखभाल का केंद्र"*** है।
    - यह थीम DMD प्रभावित व्यक्तियों के लिये परिवारों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देती है।
    - यह प्रेम, सहयोग और धैर्य के साथ-साथ समावेशन, जागरूकता एवं सामुदायिक सहयोग को भी रेखांकित करती है।

ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (DMD)

- DMD एक **दुर्लभ और प्रगतिशील** आनुवंशिक विकार है, जो ***एक्स गुणसूत्र*** में उत्परिवर्तन के कारण होता है। इसके चलते मांसपेशियों की रक्षा करने वाले प्रोटीन **डिस्ट्रोफिन** का उत्पादन नहीं हो पाता।
- इस रोग का नाम ***डॉ. ड्यूशेन डी बोलोग्ने*** के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1860 के दशक में इसका विस्तार से वर्णन किया था।
- यह मुख्यत: **पुरुषों को प्रभावित** करता है क्योंकि उनके पास केवल एक X गुणसूत्र होता है।
- **लक्षण:**
    - प्रारंभिक अवस्था में चलने-फिरने में कठिनाई।
    - धीरे-धीरे गतिशील क्रियाओं की शक्ति क्षीण होती जाती है।
    - समय के साथ श्वसन क्षमता प्रभावित होती है और हृदय (जो स्वयं एक मांसपेशी है) पर भी प्रभाव पड़ता है।
- **मस्तिष्क पर प्रभाव:** डिस्ट्रोफिन मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में भी भूमिका निभाता है, जिसके कारण प्रभावित बच्चों में **सीखने और व्यवहार संबंधी चुनौतियाँ** उत्पन्न हो सकती हैं।
- **निदान:** विश्व स्तर पर DMD का निदान प्राय: **4 वर्ष की आयु के बाद** होता है। हालाँकि, माता-पिता लक्षण पहले ही पहचान लेते हैं, लेकिन औसतन **2.5 वर्ष की देरी** से निदान होता है। कुछ लक्षण अत्यंत छोटे बच्चों में भी दिखाई देने लगते हैं।

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा **ज्ञान भारतम पोर्टल** लॉन्च किया।

- यह एक समर्पित **डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** है, जिसका उद्देश्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुँच को बढ़ावा देना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- **उद्देश्य:** सम्मेलन का उद्देश्य भारत की **पांडुलिपि विरासत** को पुनर्जीवित करना तथा उसे वैश्विक ज्ञान विमर्श के केंद्र में स्थापित करना था।
- **आयोजन अवधि:** यह तीन दिवसीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर, 2025 तक आयोजित हुआ, जिसका विषय था "**पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत को पुन: प्राप्त करना**", जो **दिल्ली घोषणा-पत्र** को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।
    - यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्वामी विवेकानंद के वर्ष 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिये गये ऐतिहासिक भाषण की 132वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आयोजित हुआ।
- सम्मेलन में दुर्लभ पांडुलिपियों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई, साथ ही संरक्षण और डिजिटलीकरण पर विद्वानों की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं।
- **मुख्य विषय:** कार्यकारी समूहों ने प्राचीन लिपियों की व्याख्या, सर्वेक्षण और दस्तावेज़ीकरण, डिजिटलीकरण उपकरण, संरक्षण तथा पुनर्स्थापन तथा कानूनी एवं **नैतिक मुद्दों** जैसे विषयों पर चर्चा की।

ज्ञान भारतम परियोजना

- ज्ञान भारतम मिशन के रूप में आरंभ की गई यह पहल, संस्कृति मंत्रालय के अधीन रहेगी तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थापित होगा।
- **उद्देश्य:** एक ऐसे संस्थान की स्थापना करना, जो भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) की तरह कार्य करे, किंतु लक्ष्य **पांडुलिपियों के संरक्षण और व्याख्या** पर हो।
    - इसका उद्देश्य एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण करना तथा निर्बाध समन्वय के लिये सभी राज्यों में क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करना भी है।।
- **प्रतिस्थापन:** ज्ञान भारतम, वर्ष 2003 में शुरू किये गये **राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन** का स्थान लेगा, ताकि भारत में पांडुलिपि संरक्षण को संस्थागत और सतत ढाँचा प्रदान किया जा सके।
- **वित्तपोषण:** वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में घोषित इस परियोजना के लिये प्रारंभिक निधि **400 करोड़ रुपये** आवंटित की गई है।

IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला

चर्चा में क्यों ?

दुबई के क्राउन प्रिंस **शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम** ने दुबई इंटरनेशनल एकेडमिक सिटी (DIAC) में भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (IIM-A) के पहले **विदेशी कैंपस** का उद्घाटन किया।

- एक अन्य पहल में, भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री **धर्मेंद्र प्रधान** ने **IIT दिल्ली अबू धाबी** में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AIC) का उद्घाटन किया, जो किसी भारतीय संस्थान द्वारा आयोजित पहला विदेशी AIC है।

मुख्य बिंदु

- **कैंपस के बारे में:**
    - **IIM-A दुबई** कार्यरत पेशेवरों और उद्यमियों के लिये पूर्णकालिक **एक वर्षीय MBA** के साथ **सितंबर** के अंत तक अपनी शैक्षणिक गतिविधियाँ आरंभ कर देगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भारतीय संस्थानों जैसे **मणिपाल विश्वविद्यालय, सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय, BITS पिलानी और एमिटी विश्वविद्यालय,** जिन्होंने दुबई में अपने कैंपस स्थापित किये हैं के अधिकारियों के साथ एक **गोलमेज चर्चा** भी की तथा शोध को कागज़ों से उत्पादों तक ले जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।
- उन्होंने UAE में 109 भारतीय स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ भी संवाद किया (अन्य वर्चुअली जुड़े) और घोषणा की कि 12 UAE स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्स (ATLs) स्थापित की जाएंगी ताकि छात्रों में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके।

अटल इनोवेशन मिशन (AIM):

- यह भारत सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।
- AIM के मुख्य उद्देश्यों के तहत नए **अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AICs)** स्थापित किये जाते हैं, जो नवोन्मेषी स्टार्ट-अप को विस्तार योग्य और **सतत् उद्यम** बनने में समर्थन देते हैं।
- **अटल टिंकरिंग लैब्स (ATLs)** स्कूलों में (कक्षा 6-12) छात्रों में **नवाचार को बढ़ावा देने** के लिये 3D प्रिंटिंग जैसे उपकरणों का उपयोग करती हैं।

विनोबा भावे जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत के **आध्यात्मिक, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में उनके अद्वितीय योगदान** को रेखांकित किया।

मुख्य बिंदु

- **आचार्य विनोबा भावे के बारे में:**

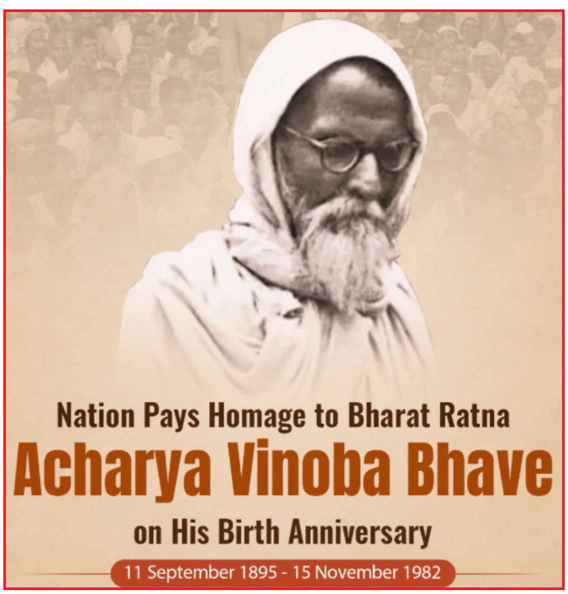

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **विनायक नरहरि भावे** का जन्म 11 सितंबर, 1895 को गागोडे, बॉम्बे प्रेसीडेंसी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था।
- वह एक **स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और आध्यात्मिक शिक्षक** थे, जो महात्मा गांधी के अहिंसा तथा समानता के सिद्धांतों से बहुत प्रभावित थे।

पुरस्कार एवं सम्मान:

- विनोबा भावे वर्ष 1958 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे, जिन्हें यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिला।
- उन्हें वर्ष 1983 में मरणोपरांत भारत रत्न (भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार) से भी सम्मानित किया गया था।

गांधी के साथ जुड़ाव:

- विनोबा भावे ने 7 जून, 1916 को गांधी से मुलाकात की और आश्रम में निवास किया।
- आश्रम के एक सदस्य मामा फड़के ने उन्हें विनोबा (एक पारंपरिक मराठी विशेषण जो महान सम्मान का प्रतीक है) नाम दिया था।
- 8 अप्रैल, 1921 को विनोबा भावे, गांधी के निर्देशों के तहत वर्धा में एक **गांधी-आश्रम का प्रभार** लेने के लिये गए।
  - वर्धा में अपने प्रवास के दौरान वर्ष 1923 में उन्होंने मराठी में एक मासिक '**महाराष्ट्र धर्म**' का प्रकाशन किया, जिसमें उपनिषदों पर उनके निबंध प्रकाशित किये गए थे।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:

- उन्होंने **असहयोग आंदोलन** के कार्यक्रमों में भाग लिया और विशेष रूप से आयातित विदेशी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का आह्वान किया।
- वर्ष 1940 में उन्हें भारत में गांधीजी द्वारा ब्रिटिश राज के खिलाफ **पहले व्यक्तिगत सत्याग्रही** (सामूहिक कार्रवाई के बजाय सत्य के लिये खड़े होने वाले व्यक्ति) के रूप में चुना गया था।
- उन्हें आचार्य (शिक्षक) की सम्मानित उपाधि दी गई थी।

भूदान आंदोलन:

- वर्ष 1951 में विनोबा भावे ने तेलंगाना के हिंसाग्रस्त क्षेत्र से पैदल अपनी शांति यात्रा शुरू की।
- वर्ष 1951 में **तेलंगाना के पोचमपल्ली (Pochampalli) गाँव के** हरिजनों ने उनसे जीविकोपार्जन के लिये लगभग 80 एकड़ भूमि प्रदान कराने का अनुरोध किया।
- विनोबा ने गाँव के **जमींदारों को आगे आने और हरिजनों को संरक्षित करने के लिये कहा।**
  - उसके बाद एक ज़मींदार ने आगे बढ़कर आवश्यक भूमि प्रदान करने की पेशकश की।
  - यह भूदान (भूमि का उपहार) आंदोलन की शुरुआत थी।
- यह आंदोलन 13 वर्षों तक जारी रहा और इस दौरान विनोबा भावे ने देश के विभिन्न हिस्सों (कुल 58,741 किलोमीटर की दूरी) का भ्रमण किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वह लगभग **44 लाख एकड़ भूमि** एकत्र करने में सफल रहे, जिसमें से लगभग **13 लाख एकड़** भूमि को गरीब, भूमिहीन किसानों के बीच वितरित किया गया।

- **साहित्यक रचना:**
  - उनकी महत्त्वपूर्ण पुस्तकों में **स्वराज्य शास्त्र, गीता प्रवचन और तीसरी शक्ति** आदि शामिल हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री **श्री प्रल्हाद जोशी** ने **नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** द्वारा आयोजित **प्रथम वार्षिक** ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - **यह सम्मेलन** 11 से 12 सितंबर, 2025 को **नई दिल्ली** में आयोजित किया गया, जिसमें **विशेषज्ञ सत्र, इंटरैक्टिव गोलमेज बैठकें** और भारत की हरित ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने वाली **25 अग्रणी कंपनियों** के साथ एक **स्टार्ट-अप एक्सपो** शामिल था।
  - इस कार्यक्रम में **25** स्टार्ट-अप्स ने **इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण**, AI-संचालित अनुकूलन और **जैविक हाइड्रोजन समाधान** के क्षेत्र में अपनी सफलताओं का प्रदर्शन किया।
    - **हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों** में नवाचार को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट-अप्स का समर्थन करने के लिये **100 करोड़ रुपये के प्रस्ताव आमंत्रण (Call for Proposals)** भी जारी किये गए।
  - इस योजना के तहत प्रत्येक परियोजना को **5 करोड़ रुपये तक** की राशि प्रदान की जाएगी, जो हाइड्रोजन के **उत्पादन, भंडारण, परिवहन और उपयोग** से संबंधित पायलट पहल के लिये प्रयोग की जा सकेगी।

भारत का ग्रीन हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र

- **बंदरगाह:** तमिलनाडु के **वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह** पर भारत की पहली बंदरगाह-आधारित पायलट परियोजना।
- **इस्पात: हाइड्रोजन-चालित डीकार्बोनाइजेशन** को प्रदर्शित करने वाली **पाँच पायलट परियोजनाएँ**।
- **शिपिंग: तूतीकोरिन बंदरगाह** पर **रेट्रोफिटेड जहाज** और **ईंधन भरने की सुविधाएँ**।
- **परिवहन: हाइड्रोजन बसें** और **ईंधन भरने वाले स्टेशन** कार्यरत हैं।
- **उर्वरक:** पहली बार **हरित अमोनिया नीलामी** में **रिकॉर्ड निम्न मूल्य** का खुलासा हुआ, जिसकी आपूर्ति **ओडिशा के पारादीप फॉस्फेट्स** से शुरू हुई।
- **हाइड्रोजन हब: कांडला, पारादीप और तूतीकोरिन बंदरगाहों** पर **समर्पित हाइड्रोजन हब** का विकास किया जा रहा है।
- **मिशन:** राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (NGHM) **वर्ष** 2023 में **19,744 करोड़** रुपये के **परिव्यय** के साथ शुरू किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (National Green Hydrogen Mission-NGHM)

नोडल मंत्रालय

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

NGHM के घटक

- **ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन प्रोग्राम के लिये रणनीतिक क्रियाकलाप (SIGHT)**
- रणनीतिक हाइड्रोजन नवाचार भागीदारी (SHIP) (अनुसंधान एवं विकास के लिये सार्वजनिक-निजी भागीदारी)

GH2 वर्तमान में व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नहीं है; भारत में वर्तमान लागत लगभग 350-400/किग्रा है।
राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन का लक्ष्य इसे 100/किग्रा के नीचे लाना है।

उद्देश्य

- ऊर्जा/उद्योग/मोबिलिटी क्षेत्र को डीकार्बोनाइज (कार्बन मुक्त) करना
- स्वदेशी निर्माण क्षमता विकसित करना
- GH2 और इसके व्युत्पन्नों के लिये निर्यात के अवसर सृजित करना

वर्ष 2030 तक अपेक्षित परिणाम

- प्रति वर्ष कम-से-कम 5 MMT (मिलियन मीट्रिक टन) हरित हाइड्रोजन (GH2) का उत्पादन
- जीवाश्म ईंधन के आयात में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत
- छह लाख से अधिक रोजगार
- वार्षिक CO2 उत्सर्जन में लगभग 50 MMT की कमी
- ₹ 8 लाख करोड़ से अधिक का कुल निवेश

हाइड्रोजन तथा हरित हाइड्रोजन

- हाइड्रोजन प्रकृति में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्त्व है लेकिन यह अन्य तत्त्वों के साथ संयोजन में ही मौजूद होता है। इसे प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यौगिकों (जैसे जल) से अलग किया जाता है।
- अक्षय/नवीकरणीय ऊर्जा (RE) द्वारा संचालित विद्युत अपघटनी/इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग करके इलेक्ट्रोलिसिस/विद्युत अपघटन नामक विद्युत प्रक्रिया के माध्यम से जल के विभाजन द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन (GH2) बनाया जाता है।

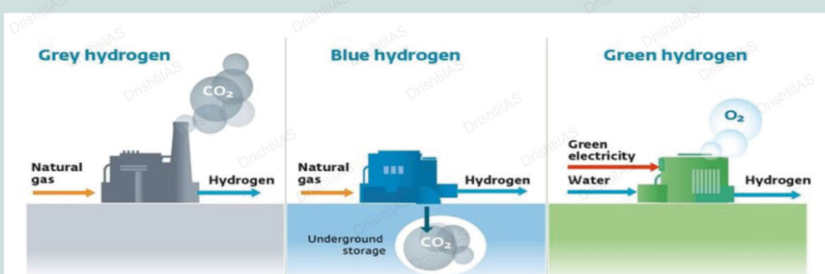

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

लिवरपूल में आयोजित महिला विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप 2025 में भारतीय मुक्केबाज़ **जैस्मीन लंबोरिया** ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता **जूलिया जेरेमेटा** को हराकर **फेदरवेट (57 किग्रा)** का **खिताब** हासिल किया।

- उनके साथ, **मीनाक्षी हुड्डा** ने भी 48 किग्रा में **स्वर्ण पदक** जीता, जो विदेश में आयोजित **विश्व चैंपियनशिप** में भारत का अब तक का **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** है।

मुख्य बिंदु

- **जैस्मीन लंबोरिया:**
  - उन्होंने अपने तीसरे विश्व चैंपियनशिप में पोलैंड की **जूलिया सेरेमेटा** को 4-1 से हराकर अपना **पहला पदक** जीता है और विश्व खिताब जीतने वाली वह **नौवीं भारतीय मुक्केबाज़** बन गई हैं।
  - वह छह बार की विजेता **मैरी कॉम** (वर्ष 2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता **निखत ज़रीन** (2022 और 2023), **सरिता देवी** (2006), **जेनी आरएल** (2006), **लेखा केसी** (2006), **नितु घनघास** (2023), **लवलीना बोर्गोहेन** (2023) और **स्वीटी बूड़ा** (2023) की प्रतिष्ठित सूची में शामिल हो गईं।
  - उन्होंने पैरिस ओलंपिक (2024) में पहले दौर से बाहर होने के निराशा को पीछे छोड़ते हुए यह सफलता प्राप्त की।
  - इससे पूर्व, उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप (2021) में **कांस्य पदक**, राष्ट्रमंडल खेलों (2022) में **पदक** और **वर्ल्ड कप 2024, अस्ताना में स्वर्ण पदक** जीता था।
- **मीनाक्षी हुड्डा की जीत:**
  - मीनाक्षी ने जुलाई, 2025 में हुई अपनी अस्ताना वर्ल्ड कप हार का बदला लेते हुए महिला 48 किग्रा फाइनल (गैर-ओलंपिक श्रेणी) में **स्वर्ण पदक जीता।**
  - उन्होंने कज़ाखस्तान की तीन बार की विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक की **कांस्य पदक** विजेता **नाज़िम काइज़ेबे** को हराया।
    - उन्होंने इससे पहले वर्ष 2022 में 52 किग्रा में **एशियाई रजत पदक जीता** था।
- **अन्य पदक विजेता:**
  - **नूपुर श्योराण (+80 किग्रा):** पोलैंड की **अगाता काकज़मरस्का** को मात्र 2-3 के अंतर से हारकर **रजत पदक जीता।**
  - **पूजा रानी (80 किग्रा):** सेमीफाइनल में इंग्लैंड की **एमिली एस्क्विथ** को हराकर **कांस्य पदक जीता** ।
- **महत्त्व:** भारत ने विश्व चैंपियनशिप में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें दो स्वर्ण, एक रजत और एक **कांस्य** पदक जीतकर महिला मुक्केबाज़ी में अपनी स्थिति को तथा **सुदृढ़** किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

महिला हॉकी एशिया कप 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने महिला एशिया कप 2025 में **उत्कृष्ट प्रदर्शन** के लिये भारतीय महिला हॉकी टीम को **बधाई** दी, जिन्होंने **रजत पदक** जीतकर देश का मान बढ़ाया।

मुख्य बिंदु

- **महिला एशिया कप के विषय में:**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

- चीन की महिला हॉकी टीम ने हांग्जो में आयोजित **एशिया कप 2025** के फाइनल में भारत को 4-1 से हराकर जीत हासिल की।
  - इस जीत के साथ, चीन ने **बेल्जियम** और **नीदरलैंड** में आयोजित होने वाले **हॉकी विश्व कप 2026** के लिये क्वालीफाई कर लिया।
- यह चीन का तीसरा **एशिया कप खिताब** है; इससे पहले वह वर्ष 1989 (हॉन्गकॉन्ग) और वर्ष 2009 (बैंकॉक) में विजेता रह चुका है।
- **इस एशिया कप में भारत** ने **रजत पदक** तथा **जापान** ने **कांस्य पदक** जीता।
- हालाँकि भारत को अब **हॉकी विश्व कप 2026** में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिये **विश्व कप क्वालीफायर** से गुज़रना होगा।
- **भारत का पूर्व प्रदर्शन:**
  - **टोक्यो ओलंपिक 2020:** चौथे स्थान पर समापन।
  - **पेरिस ओलंपिक 2024:** अर्हता प्राप्त करने में असफल।
  - **प्रो लीग:** संघर्षपूर्ण प्रदर्शन, अंतिम स्थान पर रहकर निम्न रैंक मिली।
  - **एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024:** विजेता

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा पूसा, नई दिल्ली में दो दिवसीय '**राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025**' का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - यह पहली बार है जब केंद्रीय कृषि मंत्री **शिवराज सिंह चौहान** की पहल पर रबी सम्मेलन दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है।
  - **थीम:** सम्मेलन की थीम '**वन नेशन - वन एग्रीकल्चर - वन टीम**' है, जिसका उद्देश्य भारत के कृषि क्षेत्र में **समन्वित प्रयासों और साझेदारियों** को बढ़ावा देना है।
- **उद्देश्य:**
  - सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य रबी सीज़न 2025-26 के लिये **तैयारियों, उत्पादन लक्ष्यों और रणनीतियों** पर विचार-विमर्श करना है, ताकि आगामी कृषि सीज़न के लिये व्यापक योजना सुनिश्चित हो सके।
  - भारत की कृषि वृद्धि दर वर्तमान में **3.7%** है, जो वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक है। इसका श्रेय **किसानों, वैज्ञानिकों और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों** के संयुक्त प्रयासों को दिया जाता है।
- **लक्षित क्षेत्र:**
  - कृषि विस्तार कार्य के महत्त्व पर ज़ोर दिया जाएगा तथा ज़मीनी स्तर की **रणनीतियों में सुधार** के लिये केंद्र सरकार, राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संबंधित संस्थानों द्वारा **संयुक्त कार्यक्रमों** का आह्वान किया जाएगा।
  - मंत्री ने **नकली उर्वरक, बीज और कीटनाशक** बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा किसानों के हितों की रक्षा हेतु केवल मानक **जैव-उत्तेजक उत्पाद** की बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मौसम पूर्वानुमान और फसल बीमा:**
  - मौसम की संरचना में बढ़ती अनिश्चितता को देखते हुए फसल बीमा कवरेज का विस्तार किया जाना आवश्यक है, विशेषकर किसानों को राहत सुनिश्चित करने के लिये **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिये।
- **भावी कृषि अनुसंधान:**
  - भविष्य के कृषि अनुसंधान का ध्यान किसानों की वास्तविक समस्याओं को हल करने पर होना चाहिये, न कि केवल सैद्धांतिक शोधपत्र प्रकाशित करने पर।
  - खेती की चुनौतियों का समाधान करने के लिये अक्तूबर 2025 में '**विकसित कृषि संकल्प अभियान**' चलाया जाएगा।

31वाँ विश्व ओज़ोन दिवस

चर्चा में क्यों ?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने 16 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में 31वें विश्व ओज़ोन दिवस का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

- **विश्व ओज़ोन दिवस के बारे में:**
  - **यह दिवस प्रत्येक वर्ष 16 सितंबर** को मनाया जाता है। यह **वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पर **हस्ताक्षर** करने का स्मृति दिवस है, जो एक महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संधि है और इसका उद्देश्य **ओज़ोन क्षयकारी पदार्थों (ODS)** के उत्पादन एवं उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।
  - वर्ष 2025 का विषय, '**विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक**' (From Science to Global Action), पृथ्वी और उसके भविष्य की रक्षा के लिये नीति निर्माण तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में वैज्ञानिक खोज की शक्ति पर ज़ोर देता है।

ओज़ोन

- पृथ्वी की सतह से 10–40 किमी. ऊँचाई पर समतापमंडल (stratosphere) में स्थित **ओज़ोन परत** हमें हानिकारक **UV विकिरण** से बचाती है।
- इस सुरक्षात्मक परत को **स्ट्रैटोस्फेरिक ओज़ोन या अच्छा ओज़ोन** कहा जाता है। यह **नेत्र रोग (मोतियाबिंद),** त्वचा कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचाती है और कृषि, वानिकी **तथा समुद्री जीवन** की सुरक्षा करती है।
  - हालाँकि, मानव निर्मित ओज़ोन क्षयकारी पदार्थों समताप मंडल में ओज़ोन का क्षरण कर रहें हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने कार्रवाई की आवश्यकता को पहचानते हुए वर्ष 1985 में **वियना कन्वेंशन** और वर्ष 1987 में **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पारित किये।
- हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) को **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** में शामिल करने से किगाली समझौता हुआ, जिसे भारत ने सितंबर 2021 में अनुमोदित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 | SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस | SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स | SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप | SCAN ME

नोट :

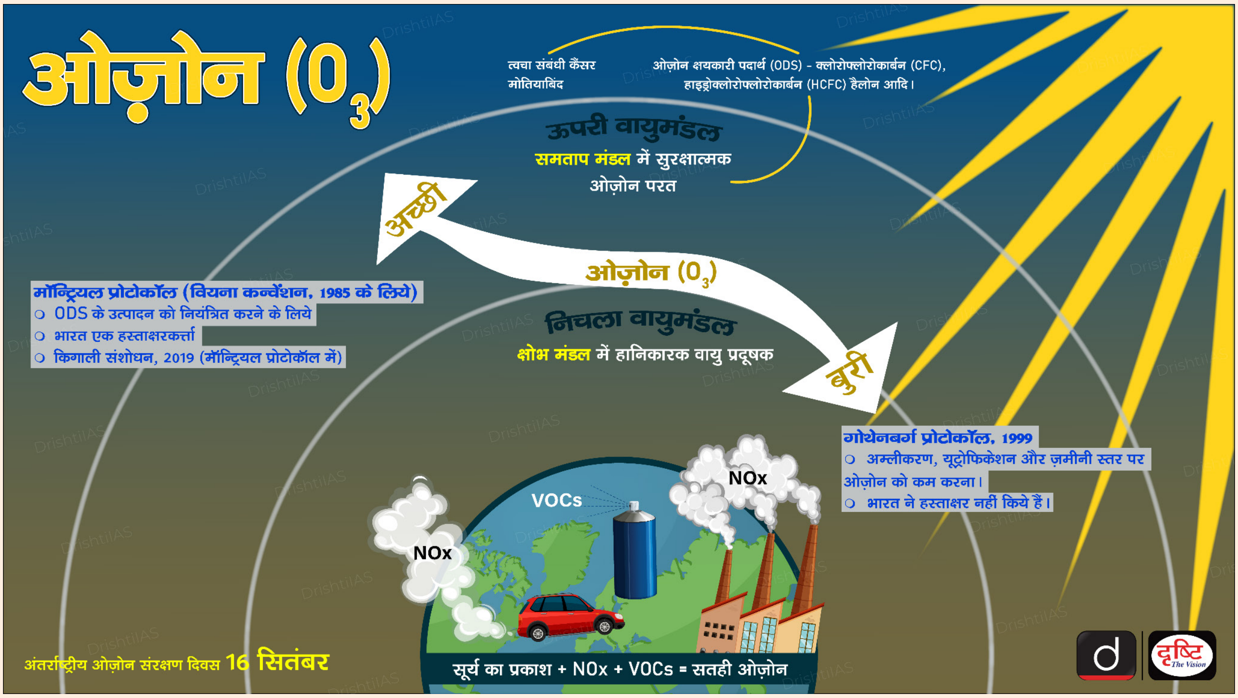

क्षोभमंडलीय ओज़ोन

- क्षोभमंडलीय या **जमीनी स्तर का ओज़ोन**, जिसे खराब ओज़ोन भी कहा जाता है, एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक है, जो वायुमंडल में केवल कुछ घंटों से लेकर कुछ सप्ताह तक ही रहता है।
- इसका कोई प्रत्यक्ष उत्सर्जन स्रोत नहीं है, बल्कि यह एक यौगिक है जो **वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (Volatile Organic Compounds- VOC)** के साथ सूर्य के प्रकाश और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOX), जो बड़े पैमाने पर मानव गतिविधियों के कारण उत्सर्जित होते हैं, की परस्पर क्रिया से बनता है, इसमें **मीथेन** भी शामिल है।

वैशाली रमेशबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस जीता

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **उज़्बेकिस्तान** के समरकंद में आयोजित FIDE महिला ग्रैंड स्विस 2025 में उल्लेखनीय जीत पर भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू को बधाई दी।

मुख्य बिंदु

- **वैशाली रमेशबाबू** ने 40,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीती और **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026** में स्थान सुरक्षित किया, जो आगामी महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिये अगले दावेदार का निर्धारण करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वैशाली **इस इवेंट को दो बार जीतने वाली पहली खिलाड़ी** बन गई हैं।
- इस उपलब्धि के साथ वैशाली **कोनेरु हंपी** और **दिव्या देशमुख** के साथ तीसरी भारतीय महिला बनीं जिन्होंने **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026** के लिये क्वालीफाई किया।
- **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** वर्तमान **महिला विश्व शतरंज चैंपियन चीन की वेनजुन जू** के लिये दावेदार का निर्धारण करेगा, जिसमें चीन, रूस और भारत की खिलाड़ी पहले ही स्थान सुरक्षित कर चुकी हैं।
- अपने पूर्व प्रदर्शन में, वैशाली ने **मई 2025 में नॉर्वे महिला शतरंज टूर्नामेंट** में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया था किंतु **महिला विश्व कप** में क्वार्टर फाइनल में **टैन झोंगयी** से पराजित हो गई थीं।

FIDE ग्रैंड स्विस

- **FIDE ग्रैंड स्विस**, जिसकी शुरुआत **वर्ष 2019** में हुई (महिला आयोजन 2021 से प्रारंभ हुआ), विश्व शतरंज चैंपियनशिप चक्र का एक प्रमुख टूर्नामेंट है।
- यह टूर्नामेंट **स्विस प्रणाली पर आधारित 11 राउंड के साथ द्विवार्षिक रूप से आयोजित** किया जाता है और इसमें शीर्ष वैश्विक खिलाड़ी भाग लेते हैं। इसे शतरंज की सबसे कठिन तथा अप्रत्याशित प्रतियोगिताओं में से एक माना जाता है।
- इसकी खुली प्रकृति के कारण, दोनों श्रेणियों में शीर्ष दो स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी सीधे **विश्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं, जहाँ **विश्व चैंपियन के खिताब के लिये एक दावेदार का चयन किया जाता है।**
- वर्ष 2025 का संस्करण **उज़्बेकिस्तान** के **समरकंद एक्सपो सेंटर** में 4 से 15 सितंबर तक आयोजित किया गया।
  - इसमें ओपन वर्ग में 116 खिलाड़ियों ने तथा महिला वर्ग में 56 खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- इस प्रतियोगिता की कुल **पुरस्कार राशि 8,55,000 अमेरिकी डॉलर** थी, जिसमें ओपन वर्ग के लिये 6,25,000 अमेरिकी डॉलर और महिला वर्ग के लिये 2,30,000 अमेरिकी डॉलर निर्धारित थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

आनंदकुमार वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में सीनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में **स्वर्ण पदक** जीतकर **भारत के पहले विश्व चैंपियन बनने का गौरव** प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- **स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप** 13 से 21 सितंबर, 2025 तक **चीन के बेइदाईहे (Beidaihe)** में आयोजित की जा रही है , जहाँ आनंदकुमार वेलकुमार ने 1:24.924 के समय के साथ **स्वर्ण पदक जीता।**
- **अतिरिक्त पदक:** वेलकुमार ने 500 मीटर स्प्रिंट स्पर्द्धा में भी कांस्य पदक जीता, जो स्पीड स्केटिंग में भारत का पहला सीनियर विश्व चैंपियनशिप पदक था।
- **जूनियर प्रतियोगिता में सफलता:** इस चैंपियनशिप में **जूनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट** में कृष शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत के शानदार प्रदर्शन में योगदान दिया।

स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप

- वर्ष 1891 से ***आईएसयू (ISU) स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप*** इस खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रही है, जो एकल दूरी, ऑलराउंड एवं स्प्रिंट प्रारूपों के बीच बारी-बारी से आयोजित होती रही है।
- **एकल दूरी प्रारूप (वर्ष 1996 में शुरू):** यह प्रारूप ओलंपिक वर्ष से पहले और बाद के वर्षों में आयोजित होता है। इसमें खिलाड़ी **16 विश्व खिताबों के लिये प्रतिस्पर्द्धा** करते हैं।
  - इसमें पुरुषों की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर और 10,000 मीटर, महिलाओं की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर तथा 5000 मीटर प्रतियोगिताएँ शामिल हैं, साथ ही ***मास स्टार्ट, टीम पर्स्यूट*** **एवं** ***टीम स्प्रिंट*** **प्रतियोगिताएँ** भी होती हैं।
- **ऑलराउंड प्रारूप:** यह स्पीड स्केटिंग परंपरा का एक आधार है, जिसमें **पुरुष 1891 से और महिलाएँ 1936** से भाग ले रही हैं।
- **स्प्रिंट प्रारूप (1970 से):** इस चैंपियन प्रतियोगिता में गति और सटीकता का परीक्षण किया जाता है।
  - इसमें खिलाड़ी 500 मीटर और 1000 मीटर की दौड़ दो-दो बार करते हैं तथा उनके **संयुक्त परिणाम के आधार पर** चैंपियन घोषित किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

चैंपियन **नीरज चोपड़ा** को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में वे आठवें स्थान पर रहे। जबकि उनके सहकर्मी **सचिन यादव ने अपना सर्वश्रेष्ठ** प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- **पदक और परिणाम:** **स्वर्ण पदक** त्रिनिदाद और टोबैगो के **केशोर्न वाल्कोट** (88.16 मीटर) ने जीता, जबकि ग्रेनेडा के **एंडरसन पीटर्स** ने **रजत** (87.38 मीटर) तथा अमेरिका के **कर्टिस थॉम्पसन** ने **कांस्य** (86.67 मीटर) जीता।
- **नीरज चोपड़ा का संघर्ष:** वर्षों से अपनी **निरंतरता** के बावजूद, वह **85 मीटर** का आँकड़ा पार करने में असफल रहे और 84.03 मीटर के **थ्रो** के साथ वे **आठवें स्थान** पर रहे।
- यह वर्ष 2018 के बाद से उनकी **पहली प्रतियोगिता** है, जहाँ वह **शीर्ष तीन** से बाहर रहे। जबकि टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक जीत के बाद उनका **लगातार पोडियम** प्रदर्शन रहा है।
- **सचिन यादव का प्रदर्शन:** उत्तर प्रदेश के **खेकड़ा गाँव** के रहने वाले **सचिन यादव** ने 86.27 मीटर की **व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो** फेंककर न केवल **नीरज चोपड़ा** को पीछे छोड़ा, बल्कि **जूलियन वेबर** और **अरशद नदीम** जैसे उल्लेखनीय **प्रतियोगियों** को भी पीछे छोड़ दिया।
- सचिन का यह प्रदर्शन उनकी **क्षमता** और **स्थिर खेल शैली** को दर्शाता है, जो उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने के बाद से लगातार प्रदर्शित की है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

- **स्थान:** विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 **सितंबर, 2025** तक टोक्यो, जापान में आयोजित की जा रही है, जिसमें नौ दिनों तक प्रतिस्पर्द्धा होंगी।
- **आयोजन अवलोकन:** यह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का **20वाँ संस्करण** है, जिसमें लगभग **200 देशों** के **2,000 से अधिक एथलीट** भाग ले रहे हैं।
- कुल **49 प्रतियोगिताएँ** होंगी, जिनमें **147 पदक** हैं। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिये **24 प्रतियोगिताएँ** होंगी, साथ ही एक **मिश्रित प्रतियोगिता भी शामिल है**।

सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली में स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय, जो अपनी तरह का विश्व का एकमात्र संग्रहालय है, ने 17 सितम्बर, 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल के **AI संचालित होलोबॉक्स** का अनावरण किया।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - दर्शकों ने AI-संचालित **होलोबॉक्स 3D अवतार** के साथ संवाद किया, जिसमें उन्होंने **सरदार वल्लभभाई पटेल** के जीवन और **भारत के इतिहास में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान** से संबंधित प्रश्न पूछे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह अवतार उनके स्वर में उत्तर देता है, जो **उनके भाषणों, पुस्तकों और अभिलेखीय स्रोतों** पर आधारित होते हैं, जिससे एक प्रामाणिक शैक्षिक अनुभव प्राप्त होता है।
- अवतार द्वारा दिये गए उत्तर उनकी विचारधारा और जीवन की प्रमुख घटनाओं को प्रतिबिंबित करते हैं।

- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का उद्देश्य **ऐतिहासिक जुड़ाव में प्रौद्योगिकी का एकीकरण** कर वैश्विक मानक स्थापित करना है। इसका विशेष लक्ष्य **युवा पीढ़ी को आकर्षित करना** और इतिहास को अधिक **सुगम व रोचक** बनाना है।
- **भविष्य की योजनाएँ:**
  - पटेल के AI अवतार की सफलता के पश्चात, प्रधानमंत्री संग्रहालय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के लिये एक ***पूर्णाकृति* होलोबॉक्स** शुरू करने की योजना बना रहा है।
  - इससे भारत के महान नेताओं के ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता और भी **सशक्त** होगी।
- **ऐतिहासिक महत्त्व**
  - 17 सितंबर का दोहरा महत्त्व है; एक ओर यह 1948 में *ऑपरेशन पोलो* की सफलता का प्रतीक है, जब सरदार पटेल के नेतृत्व में हैदराबाद का भारत में विलय हुआ। दूसरी ओर, यही दिन वर्ष 1950 में जन्मे **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस** भी है, जिनकी *'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'* की दृष्टि, पटेल की **राष्ट्रीय एकता** की विरासत को साकार करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

नोट:

- AI-संचालित होलोबॉक्स एक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) को होलोग्राफिक डिस्प्ले के साथ एकीकृत करती है।
- यह इंटरैक्टिव और सजीव 3D छवियाँ व अवतार तैयार करती है, जिनसे दर्शक स्वाभाविक रूप से वॉयस कमांड, हावभाव और भावनात्मक संकेतों के माध्यम से संवाद कर सकते हैं।

भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026

चर्चा में क्यों?

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने भारत-AI इम्पैक्ट समिट 2026 की पहल तथा लोगो (Logo) का अनावरण किया है, जिसका आयोजन भारत में किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **समिट के बारे में:**
  - यह समिट 19 से 20 फरवरी 2026 को भारत मंडपम, **नई दिल्ली** में आयोजित किया जाएगा और इसमें **वैश्विक नेता, नीति-निर्माता, शोधकर्त्ता तथा नवप्रवर्तक** शामिल होंगे।
  - यह **समिट**, जो किसी ग्लोबल साउथ देश द्वारा **आयोजित किया जाने वाला पहला समिट है,** मानव, ग्रह और प्रगति पर केंद्रित होगा।
  - AI की परिवर्तनकारी क्षमता पर ध्यान देते हुए, समिट में **सात विषयगत चक्रों** के माध्यम से वैश्विक AI चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की जाएगी।
- **आधिकारिक लोगो और मुख्य प्रतीक:**
  - समिट का **आधिकारिक लोगो** अशोक चक्र से प्रेरित है, जो भारत के नैतिक शासन और संवैधानिक मूल्यों का प्रतीक है।
  - इस मुख्य प्रतीक से **न्यूरल नेटवर्क की किरणें** बाहर की ओर फैलती हैं, जो **उद्योगों, भाषाओं और क्षेत्रों** में AI के परिवर्तनकारी प्रभाव का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो विभाजन को पाटने तथा समावेशी प्रगति को बढ़ावा **देने में मदद करती हैं।**
- **प्रमुख पहलें:**
  - **AI पिच फेस्ट (UDAAN):**
    - यह **वैश्विक AI** स्टार्टअप्स को प्रदर्शित करने के लिये एक मंच है, जिसमें भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमों पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिनमें **महिलाओं** तथा **दिव्यांग परिवर्तनकर्त्ताओं द्वारा संचालित उद्यम भी शामिल होंगे।**
  - **IndiaAI डेटा और AI लैब्स:**
    - 30 **IndiaAI डेटा और AI लैब्स** लॉन्च की जा चुकी हैं, जो 570-लैब नेटवर्क के प्रारंभिक चरण का प्रतीक हैं।
    - ये लैब्स **फ्यूचर स्किल्स पहल** के अंतर्गत आधारभूत AI और डेटा प्रशिक्षण प्रदान करेंगी, विशेष रूप से टियर 2 तथा टियर 3 **शहरों** में AI एवं डेटा एनोटेशन में **कौशल विकास** पर केंद्रित होंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **IndiaAI फेलोशिप प्रोग्राम:**
  - **इस प्रोग्राम** का विस्तार कर 13,500 **विद्यार्थियों** को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें **इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कानून, वाणिज्य और लिबरल आर्ट्स** जैसे विविध **विषयों** के छात्रों पर विशेष ज़ोर दिया गया है।

मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

23 सितंबर 2025 को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा मलयालम अभिनेता **मोहनलाल** को 71वें **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** समारोह के दौरान वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **मोहनलाल के बारे में:**

  - 21 मई 1960 को पथानमथिट्टा में जन्मे **मोहनलाल** ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत **थिरानोट्टम** (1978) से की तथा **मंज़िल विरिंजा पुक्कल** (1980) में खलनायक के रूप में पदार्पण किया।
  - वर्ष 1986 में, **राजाविंते मकान** में उनकी भूमिका ने उन्हें **मलयालम सिनेमा** के पहले आधुनिक **सुपरस्टार** के रूप में स्थापित कर दिया।
  - 45 से अधिक वर्षों और 400 से अधिक फिल्मों के साथ, मोहनलाल **मॉलीवुड** (Mollywood) में एक प्रमुख व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने **थनमथरा, इरुवर, दृश्यम** और **लूसिफ़र** जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में अभिनय किया है।
  - उन्हे वर्ष 1991 में **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता** के लिये राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला और वर्ष 2001 में **पद्म श्री** तथा वर्ष 2019 में **पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया।
- **दादा साहब फाल्के पुरस्कार:**
  - यह **देश का सर्वोच्च फिल्म सम्मान है जिसकी शुरुआत वर्ष** 1969 में हुई थी, जो "**भारतीय सिनेमा के विकास और वृद्धि में उत्कृष्ट योगदान**" **के लिये दिया जाता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह पुरस्कार पहली बार "भारतीय सिनेमा की प्रथम महिला" **देविका रानी** को प्रदान किया गया था।
- इस पुरस्कार में एक स्वर्ण कमल, **10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रमाण-पत्र**, एक रेशम रोल और एक शॉल शामिल है।
- इसे **भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिया जाता है।**

- **धुंडीराज गोविंद फाल्के:**
  - वह एक भारतीय निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक थे, जिन्होंने **भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र (1913) का निर्देशन किया था।**
    - उन्हें "**भारतीय सिनेमा के जनक" के रूप में जाना जाता है।**

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, **भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केंद्र (ISLRTC)** ने 23 सितंबर, 2025 को "सांकेतिक भाषा दिवस" मनाया।

- साथ ही शिक्षा मंत्रालय ने **केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET)** और NCERT के सहयोग से 15 से 19 सितंबर, 2025 तक भारतीय सांकेतिक भाषा पर विशेष पाँच-दिवसीय लाइव कार्यक्रम भी आयोजित किया।

मुख्य बिंदु

- **दिवस के बारे में:**
  - संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बधिर लोगों के **मानवाधिकारों** को साकार करने में सांकेतिक भाषा के महत्त्व को रेखांकित करने के लिये 23 सितंबर को **अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस** के रूप में घोषित किया।
  - यह तिथि वर्ष 1951 में विश्व बधिर महासंघ (WFD) की स्थापना का प्रतीक है, जो विश्व स्तर पर बधिर व्यक्तियों के अधिकारों और उनकी मान्यता के लिये कार्य करता है।
  - **दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर अभिसमय**, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2006 में अपनाया था, सांकेतिक भाषाओं को बोली जाने वाली भाषाओं के बराबर मान्यता देता है तथा सदस्य देशों को बधिर समुदाय की भाषायी पहचान को बढ़ावा देने के लिये बाध्य करता है।
    - भारत वर्ष 2007 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन करने वाले प्रथम देशों में से एक था।
  - **थीम 2025**: इस वर्ष की थीम "**सांकेतिक भाषा के अधिकारों के बिना मानवाधिकार नहीं**" है, जो बधिर व्यक्तियों के लिये गरिमा और सम्मान सुनिश्चित करने के साधन के रूप में सांकेतिक भाषा की मान्यता बढ़ाने का आह्वान करती है।
  - **8वीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता**: आयोजन के अंतर्गत **आठवीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता के विजेताओं** को सम्मानित किया गया। इसमें देश के विद्यालयों से 13 श्रेणियों में प्रतिभागियों ने भाग लिया और बधिर समुदाय की **रचनात्मकता तथा प्रतिभा** का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

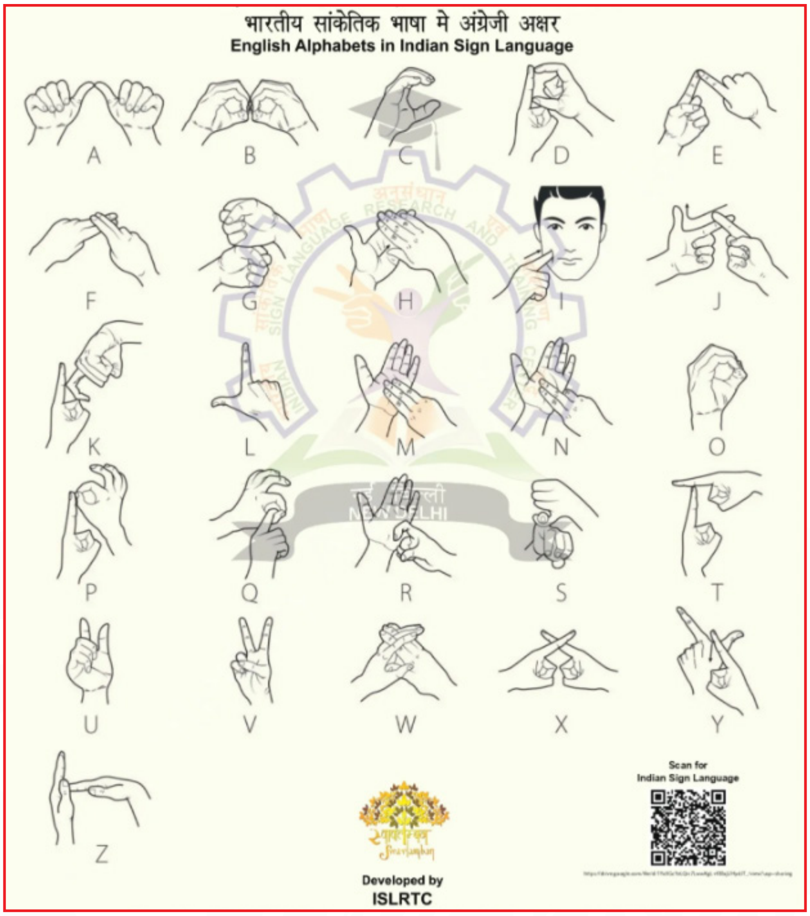

विश्व खाद्य भारत 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री 25 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में विश्व खाद्य भारत के चौथे संस्करण का उद्घाटन करेंगे, जिसमें 90 से अधिक देश, 2,000 से अधिक प्रदर्शक और हज़ारों हितधारक भाग लेंगे।

मुख्य बिंदु

विश्व खाद्य भारत 2025 के बारे में

- **आयोजन:**
  - खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा **25 से 28 सितंबर 2025** तक आयोजित **विश्व खाद्य भारत 2025**, खाद्य प्रसंस्करण और आपूर्ति के लिये भारत की क्षमता को 'वैश्विक खाद्य केंद्र' के रूप में उजागर करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- भारत दूध, प्याज और दाल का सबसे बड़ा उत्पादक है तथा **चावल, गेहूँ, गन्ना, चाय, फल, सब्जियाँ एवं अंडे** का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- पिछले दशक में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में **7.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का FDI इक्विटी निवेश आया है।

- **साझेदार एवं फोकस देश:**
  - **न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब** साझेदार देशों के रूप में भाग लेंगे, जबकि जापान, UAE, वियतनाम तथा रूस फोकस देशों के रूप में भाग लेंगे।
- **अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम:**
  - भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) **द्वारा तीसरा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन:** वैश्विक नियामकों को खाद्य सुरक्षा मानकों के सामंजस्य पर विचार-विमर्श करने और अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग को मज़बूत करने के लिये एक विशिष्ट मंच प्रदान करना।
  - भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ (SEAI) **द्वारा 24वाँ भारत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री खाद्य शो (IISS):** भारत की बढ़ती समुद्री खाद्य निर्यात क्षमता और वैश्विक बाज़ार संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना।
- **मुख्य फोकस स्तंभ:**

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025

चर्चा में क्यों?

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 का उद्घाटन किया गया, जहाँ प्रधानमंत्री ने पैरा एथलीटों की बाधाओं को तोड़ने और नए मानदंड स्थापित करने के लिये सराहना की तथा भारत की **खेल-केंद्रित एवं समावेशी पहचान** को रेखांकित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह चैंपियनशिप 27 **सितंबर से 5 अक्तूबर 2025** तक आयोजित की जाएगी, जिसमें **104 देशों** के **2,200 एथलीट्स** भाग ले रहे हैं, जो भारतीय भूमि पर अब तक आयोजित **सबसे बड़ा पैरा एथलीट** आयोजन होगा।
- **भारत की उपलब्धि:** इस आयोजन में **भारत का अब तक का सबसे बड़ा 74** एथलीटों का दल भी शामिल होगा।
  - भारत पहली बार **विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप** की मेज़बानी करेगा, जो कतर, संयुक्त अरब अमीरात तथा जापान के बाद ऐसा करने वाला **चौथा एशियाई देश** होगा।
- **अवसंरचना:** यह आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में **नवनिर्मित मोंडो ट्रैक पर आयोजित किया जा रहा है,** जिसका उपयोग पहले पेरिस पैरालिंपिक 2024 में किया गया था और जिसे राष्ट्रीय खेल दिवस पर उद्घाटित किया गया।
  - **मुख्य प्रतियोगिता ट्रैक** के साथ-साथ, एक **मोंडो वार्म-अप ट्रैक** और एक **बहु-विशिष्ट जिम्नेजियम** का भी उद्घाटन किया गया, जो एक साथ 200 एथलीटों को प्रशिक्षित करने में सक्षम है तथा **विश्व स्तरीय खेल अवसंरचना** के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **पूर्व उपलब्धि:** भारत की पैरा खेलों में उल्लेखनीय प्रगति स्पष्ट है। भारत ने **जापान के कोबे** में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप,2024 में अब तक अपना **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** किया, जिसमें **छह स्वर्ण, पाँच रजत और छह कांस्य सहित 17 पदकों** के साथ **छठा स्थान** प्राप्त किया।
- **महत्त्व:** यह आयोजन भारत की **दीर्घकालिक रणनीति** का हिस्सा है, जिसमें प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों की मेज़बानी शामिल है, जिसमें वर्ष **2030 में** राष्ट्रमंडल खेलों के लिये पहले से ही योजनाएँ चल रही हैं और वर्ष **2036 में ओलंपिक खेलों की** मेज़बानी करने की आकांक्षा है।

छठा नदी उत्सव

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री **सी.आर. पाटिल** ने छठे **नदी उत्सव** का उद्घाटन किया तथा नदियों के संरक्षण हेतु नागरिकों की सामूहिक **ज़िम्मेदारी** पर ज़ोर दिया।

- उन्होंने **नमामि गंगे परियोजना** के महत्त्व को रेखांकित किया, जो नदियों की **स्वच्छता बनाए रखने**, **अतिक्रमण रोकने** और **धार्मिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण पवित्र नदियों के संरक्षण** पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA)** द्वारा आयोजित नदी उत्सव में नदियों के महत्त्व को आवश्यक जीवनरेखा और **सांस्कृतिक जलाशय** के रूप में उजागर किया गया।
  - उत्सव में नदियों के **पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और कलात्मक** आयामों को उजागर किया गया, जिससे उनकी महत्ता को गहराई से समझने का अवसर मिला।
- **कार्यक्रम की अवधि:** यह कार्यक्रम 25 से 27 सितंबर 2025 तक **दिल्ली** में आयोजित किया गया, जिसमें **सेमिनार**, फिल्म स्क्रीनिंग और प्रदर्शनियाँ शामिल थीं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **रिवरस्केप डायनेमिक्स: परिवर्तन और निरंतरता** शीर्षक वाले सेमिनार में पारंपरिक नदी ज्ञान, **नदी देवताओं** तथा लोक कथाओं एवं नदियों की **कला, शिल्प व विज्ञान** में भूमिका पर चर्चा की गई।

- **मेरी नदी की कहानी**: इस उत्सव में नदियों से जुड़े **पर्यावरणीय मुद्दों और मानव संबंधों** पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री था फिल्में प्रदर्शित की गईं।
  - प्रदर्शित फिल्मों में गोताखोर: लुप्त होते **गोताखोर समुदाय, भारत का नदी पुरुष, अर्थ गंगा, मोलाई - जंगल के पीछे का आदमी, कावेरी - जीवन की नदी और लद्दाख -सिंधु** नदी के किनारे जीवन शामिल हैं।

भगत सिंह की जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रांतिकारी भगत सिंह को उनकी **जयंती** पर श्रद्धांजलि अर्पित की, उनके साहस को महान प्रेरणा का स्रोत बताते हुए सराहा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रमुख बिंदु

- **जन्म:** भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (वर्तमान पाकिस्तान) में हुआ था। वह एक सिख परिवार से थे, जो उपनिवेश-विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे; उनके पिता, किशन सिंह और चाचा, अजीत सिंह, प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे।
- **प्रारंभिक जीवन:** 12 वर्ष की आयु में जलियाँवाला बाग हत्याकांड देखा, जिसने उनमें देशभक्ति की गहरी भावना और भारत की स्वतंत्रता के लिये संघर्ष करने का संकल्प उत्पन्न किया।
- **शिक्षा:** लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज, लाहौर में दाखिला लिया, जिसने स्वदेशी आंदोलन पर ज़ोर दिया और क्रांतिकारी विचारों के लिये एक मंच प्रदान किया।
- **क्रांतिकारी संगठन:** भगत सिंह वर्ष 1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के सदस्य बने, जिसे बाद में वर्ष 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) नाम दिया गया।
    - नौजवान भारत सभा की स्थापना भगत सिंह ने वर्ष 1926 में की थी, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करना था।
        - **प्रमुख कार्य:** पुलिस की बर्बरता के कारण लाला लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध के रूप में वर्ष 1928 में पुलिस अधिकारी जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र मामला) में शामिल हुए।
    - 18 अप्रैल, 1929 को बी.के. दत्त के साथ मिलकर दमनकारी ब्रिटिश कानूनों के विरोध में **केंद्रीय विधानसभा** में बम फेंका।
        - **गिरफ्तारी और मुकदमा:** वर्ष 1929 में बम कांड के लिये गिरफ्तार किये गए और बाद में लाहौर षडयंत्र मामले में हत्या का आरोप लगाया गया। उन पर मुकदमा चलाया गया, दोषी ठहराया गया और मृत्युदंड की सज़ा सुनाई गई।
    - 23 मार्च, 1931 को लाहौर में साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरु के साथ फाँसी दी गई। भगत सिंह को स्नेहपूर्वक शाहिद-ए-आज़म के नाम से जाना जाता है।
        - **साहित्यिक योगदान:** उन्होंने महत्त्वपूर्ण रचनाएँ लिखीं, जिनमें **व्हाय आई एम एन एथीस्ट (मैं नास्तिक क्यों हूँ), द जेल नोटबुक एंड अदर राइटिंग्स** और समाजवाद व क्रांति की वकालत करने वाले कई राजनीतिक घोषणापत्र शामिल हैं।
    - अपने प्रारंभिक कार्य विश्व प्रेम (Universal Love) में सिंह ने समानता के महत्त्व की घोषणा की। उन्होंने एक ऐसे विश्व की कल्पना की, जो भुखमरी और युद्ध से मुक्त हो तथा जहाँ मानवता जाति तथा राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे हो।
        - **विचारधारा:** उन्होंने **मार्क्सवादी** और समाजवादी **विचारधाराओं** का समर्थन किया, तर्कशीलता, समानता तथा न्याय पर ज़ोर दिया। उन्होंने **संगठित धर्म की आलोचना** की और इसे मानसिक तथा शारीरिक दासता का रूप माना।
        - **विरासत:** उन्हें राष्ट्रीय नायक और शहीद के रूप में सम्मानित किया जाता है; उनके जन्मदिवस तथा फाँसी की तिथि प्रतिवर्ष भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करने के लिये मनाई जाती है।
    - हर वर्ष 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिये शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारत ने एशिया कप जीता

चर्चा में क्यों ?

भारत ने दुबई में एशिया कप 2025 के फाइनल में **पाकिस्तान** को 5 विकेट से **हराकर** अपना **नौवां खिताब** जीता और टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ तीनों मैच जीतकर अजेय रहा।

प्रमुख बिंदु

- **एशिया कप रिकॉर्ड:**
  - **भारत:** 9 खिताब (किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक)
  - **श्रीलंका:** 6 खिताब
  - **पाकिस्तान:** 2 खिताब
- **प्लेयर ऑफ द मैच:** तिलक वर्मा
- **प्लेयर ऑफ द सीरीज:** अभिषेक शर्मा
- **एशिया कप फॉर्मेट:** यह ODI और T20I फॉर्मेट के बीच वैकल्पिक रूप से आयोजित होता है।
  - यह भारत का एशिया कप 2023 (ODI फॉर्मेट) जीतने के बाद **लगातार दूसरा खिताब** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के **नए डिप्टी गवर्नर** के रूप में नियुक्त किया है, जो 9 अक्तूबर, 2025 से प्रभावी होगा। वे **एम. राजेश्वर राव** का स्थान लेंगे।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:** शिरीष चंद्र मुर्मू, जो वर्तमान में RBI में कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, को **तीन वर्षों की अवधि** के लिये इस पद पर नियुक्त किया गया है।
  - वे वर्ष 1991 में RBI में शामिल हुए और क्षेत्रीय निदेशक जैसे महत्त्वपूर्ण पदों के साथ-साथ बैंकिंग विनियमन, मुद्रा प्रबंधन तथा सूचना प्रौद्योगिकी में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर भी कार्य कर चुके हैं।
- **कार्य:** अपने नए पद पर वे **बैंकिंग विनियमन**, **वित्तीय बाज़ार** और मौद्रिक नीति सहित प्रमुख दायित्वों का निर्वहन करेंगे।
- **नियुक्ति:** उनकी नियुक्ति को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) द्वारा अनुमोदित किया गया था।
  - कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC), जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और जिसमें **गृह मंत्री** सदस्य होते हैं, वरिष्ठ सरकारी नियुक्तियाँ करने के लिये ज़िम्मेदार है।
- **संरचना:** RBI अधिनियम, 1934 के अनुसार, केंद्रीय बैंक में **चार डिप्टी गवर्नर** होने आवश्यक हैं: दो RBI के भीतर से, एक **वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र** से और एक अर्थशास्त्री जो मौद्रिक नीति विभाग का नेतृत्व करेगा।
  - वर्तमान डिप्टी गवर्नर में शिरीष चंद्र मुर्मू के अलावा टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और पूनम गुप्ता शामिल हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :